

सीधे बैंक खातों में पहुंचेगी डीबीटी राशि



कार्यक्रम में शामिल होंगे। हाल के दिनों में प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़ और भूकम्प वारिश की वजह से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है। किसानों के नुकसान की भरपाई करने के लिए उनके खेतों-खलिहानों में खुशहाली लौटाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महोदय डीबीटो पन्नाली के जर्जिरा एक विक्टर से सहयता हाथ में कृषि किसानों के बैंक खातों में अंतरित करोगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्रालय के कृषि विभाग के कृषि अधिकारियों की मंत्री सूर्य प्रताप शर्मा की उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा सांसद रवि किशन शुक्ल, महोदय डॉ॰ मंगेश कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक जिले

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, क्वांटम टेक्नोलॉजी और साइबर सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश के विद्यार्थी अब अपने तकनीकी कौशल की प्रतीति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्रिस्पेंस साइंस (यूपीएसआईआईएसएस) के 150 विद्यार्थियों ने अपने तकनीकी समाधान प्रस्तुत कर यह दिखाया कि कॉर्रिस्पेंस शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक का समन्वय किस तरह नवाचार को आम असर खोल सकता है। इनमें से चुनकर 'टीम 12' बनाई गई है, जो अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में भागीदारी के लिए तैयार है। इन विद्यार्थियों ने अपने प्रेजेंटेशन ब्राविटी के सीडीओ पवन शर्मा के समक्ष प्रस्तुत किए। पवन शर्मा अमेरिका में एआई, रोबोटिक्स और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। इसके अलावा केआईपीएल के सीडीओ पराग शेंकरों के समक्ष भी विद्यार्थियों ने नवाचार संबंधी प्रेजेंटेशन दिया जिसके बाद यहां के सर्वश्रेष्ठ बच्चों में से 'टीम 12' बनाई गई। यह पहल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान से आगे बढ़कर तकनीक के व्यावहारिक उपयोग और वास्तविक समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करने के लोहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के बाद सीएम योगी गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन खंड एमएलसी चुनाव से संबंधित कार्यक्रम में शामिल होंगे, यहां सीएम योगी शिक्षक मतदाता संवाद (रैली) को संबोधित करेंगे।

नई दिल्ली, एंसेंसी। दिल्ली में कांफ़ेरो जन्ता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करके, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजें नहीं रोकी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नदेश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो और यहां आने वाली ट्रेनों की आवाजें बंद पूरी तरह रोक न लगाई जाएं। इसके पारिवृज शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ। इस पर कोर्ट



ने दिल्ली के अधिकारियों को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा। इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अभिजीतदास दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांक को रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया। तीनों 23 घंटे के पुलिस कस्टडी में रहे। सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर 2 याचिकाएं दाखिल की गई

थीं। जस्टिस जॉयमाल्य
नागची और जस्टिस वी.
मोहन की बेंच ने इस पर
सुनवाई की। सॉलिसिटर
जनरल तुषार मेहता ने
सरकार और दिल्ली पुलिस का
पक्ष रखा। वहीं, एडवोकेट
कपिल सिब्बल, गोपाल
शंकरनारायणन, मेनका
गुरुस्वामी, संजय हेगड़े,
नरतम और शादान फारसत ने
तलाओं का पक्ष रखा। कपिल
ने कहा कि संविधान के
19(1)(डू) के तहत लोगों
पूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है,
इसका कार्यों को तय जगह तक
रोकना गया।

लखनऊ, संवादादता। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले मतदान को मजबूत करने में जूटी कांग्रेस की अंदरूनी खींचावणें सिद्धिवाचकों के सड़क पर आ गईं। राजधानी स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक-प्रकार का रैली अध्यक्ष नाराजन मिश्रा ‘मोना’ के कार्यभार संभालने के समारोह के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कार्यक्रमों और ध्वजा-मुक्ती और मारपीट हुई। नाँव जूते-चप्पल चलेने तक पहुंच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। संगठनों ने बदलाव के बाद आयोजित पहले बड़े कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इससे भवाल ने पार्टी की एकजूटा के दांवों पर स्वावल लक्ष्य कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, विवाद की शुरुआत पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनवर राय के समर्थकों के साथ कथित बढसलुकी और गाली-गलौज से हुई। इससे नाराज अनवर राय अपने समर्थकों को साधे पार्टी मुख्यालय में भी ढरणे पर बैठ गए।

नई दिल्ली, एंजेंसी।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली में युवाओं के प्रश्नों के दमन का आरोप पुलिस और भाजपा के कार्यकर्ताओं पर लगाया। इसके साथ ही उन्होंने विवाद किया कि एसआईआर एलान और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 12 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाले जाने का एलान किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सोमवार को विपक्षी दलों, युवाओं और नागरिक समाज के संगठनों के साथ वे सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मार्च पार्टी, लिंग, जाति, समुदाय और राज्य की सीमाओं से ऊपर उठकर भारतीय नागरिकों के रूप में निकाला जाएगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर



पोस्ट कर आरोप लगाया, शनिवार को दिल्ली में देश का युवा शांतिपूर्ण विरोध के लिए सड़कों पर उतरा। उनको दिलों में नफरत या गुस्सा नहीं, मोहब्बत थी। लेकिन उन्हें पुलिस और भाजपा के गुंडे, दोनों ने पीटा। ऐसा भारत हम नहीं चाहते। सोमवार 12 अक्टूबर को, हम भारतीय होने के नाते सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करेंगे। पार्टी, महिला-पुरुष, जाति, समुदाय और राज्य की हर दीवार से ऊपर

उठकर, हम सब एक साथ चलेगे। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, देश का युवा, तमाम विपशा, दल, सिविल सोसाइटी और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले, भारत के संविधान के साथ खड़े सभी लोग हमारे साथ चलेगे।

हम देश की ओर से मुख्य न्यायाधीश को एक जापान सौंपेंगे। हमारी मांग है - वोट चोरी बंद हो, एसआईआर पर रोक देगे और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा देंगे।

[illegible]

दो दिन में हजारों हिरासत में, जंग जैसे हालात बनाए



कजिन का नंबर निकालने के लिए अपना फोन मांग रहा था? और वह हिस्सा भी, जिसमें मैं अपने वकीलों से बात करने की अनुमति मांग रहा था। दिव्य में प्रदर्शनकारियों को ले जाने वाली बस पर चढ़ीं SFI की आईसी घोष। बस के सामने बैठ प्रोटेस्ट करने लगी। असल में SFI ने दिव्य पुलिस के ऊपर महिला प्रदर्शनकारियों पर से

बदसलूकी का आरोप लगाया था। इसी बात को लेकर स्त्रद्ध ने विरोध करते हुए राजीव चौक मेट्रो स्टेशन केटु नंबर 7 के सामने कई महिला प्रदर्शनीकारियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर बस के आगे जमीन पर बैठ गई। करीब 10 मिनट की जड़ोजहद के बाद दिल्ली पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने सभी हटाकर बस में डिटेन करके हटा दिया।

[illegible]

पटना (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में काँजपा का विरोध प्रदर्शन देश में अराजकता फैलाने का प्रयास था। उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्र सरकार की सहायता की। पासवान ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी पिछले कई दिन से इसी मुद्दे पर प्रदर्शन करके दिल्ली के लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हम विरोध प्रदर्शनों को जायज मानते हैं, जब लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हैं। लेकिन अगर असामाजिक तत्व अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विरोध प्रदर्शन का बहाना बनाते हैं, तो उनकी पहचान करना जरूरी हो जाता है। मेरा मानना है कि काल का प्रदर्शन अराजकता फैलाने के इरादे से किया गया था। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने हालात को उचित तरीके से नियंत्रण में लिया। रविवार को काँजपा के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। दिल्ली में कर्नाट प्लेस के इनर सर्कल और राजीव चौक से जंतर-मंतर की ओर मार्च कर रहे कई प्रदर्शनकारियों को सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। शनिवार को भी दिल्ली में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजामों के बीच काँजपा के कई नेताओं को हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पहुँचने से रोक दिया था और अलग-अलग जगहों पर 7,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

प्रधानमंत्री ने आज चेन्नई स्थित जयगोपाल गारोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकलेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकासविस्तार भारत के नए विचार और समझाने से भारत सहित विश्व का भविष्य भी तय होगा। भारत में अनंत अवसर मौजूद हैं और हर युवा को अपने भविष्य को इस बड़ पेरिड्यूस में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही आपका समय है। यही आपका अवसर है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सपना साकार होगा। साथ मिलकर, हम इसे कर दिखाएंगे। प्रधानमंत्री ने आज चेन्नई स्थित जयगोपाल गोरोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन उत्सव कार्यक्रम के विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया और वहां उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा और नवचार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वाण किया।

उन्होंने कहा, “आज का युवा विकसित भारत की ताकत बना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए बिचार चाहिए, जो नए समाधान चाहिए, हमारा भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तथाकथित। आज भारत में जो अपन अवसर है, मैं चाहता हूँ कि हर युवा अपने भविष्य को उनमें ही बड़े कैरियर्स पर देखे। क्योंकि यह आपका समय है, यह आपका अवसर है। ये मुझे पता है विश्वास है कि हमारे ये सपना पुरा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए नई सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। भारत वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही देश वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का सपना लेकर



भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के युवा खेलों की दुनिया में भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे। विश्व हिंदू विद्या केन्द्र की स्थापना के 50 वर्ष पर मोदी ने विद्यालय के भवन निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जयगोपाल गरोड़िया को याद किया। उन्होंने विद्यालय की यात्रा को सफल बनाने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और पूर्व विद्यार्थियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा

कि यह संस्थान शिक्षा के साथ राष्ट्रपंचक नामांकित के निर्माण का भी पड़ा होगा है। प्रधानमंत्री ने गिरिजा अम्मा की पहल का उद्देश्य करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों को प्रतिदिन एक रुपये का अम्मा देश के सैनिकों की समर्पित करने का विचार दिया जो कि इस अभियान से जुड़ने लायक रुपये जुटाए गए। उन्होंने छोटे योगदान भी बड़े बदलाव जरूरतमंदों की सहायता और यानी में भागीदारी जैसे सेवा के की समृद्ध परंपरा का हिस्सा का राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम का की गुणवत्ता में नूतन हो रहा है।

भी मजबूत हुआ है। वर्ष 2015 की वयूसर रैंकिंग में भारत के विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय शामिल है, जबकि नीचोतम रैंकिंग में यह संख्या बढ़कर 52 हो गई है। इससे विद्यार्थियों के लिए विकल्प और अवसर बढ़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 750 विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या अलग बढ़कर 1,300 से अधिक हो गई है। इसी अनधिक में कॉलेजों की संख्या लगभग 38 हजार से बढ़कर 52 हजार से अधिक हो गई है। मोदी वृत्त में देश में कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से देश की विविधता को करीब से जानने और तमिल भाषा तथा संस्कृति को आगे बढ़ाने का भी आह्वान किया।

आंदोलन के लिए रवाना हुए संविदा कर्मचारी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
बलिया। बलिया में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर रविवार को भी हड़ताल पर रहे, जिससे मुख्यमंत्री आरोग्य मेला प्रभावित हुआ। संगठन के निर्देश पर जिले के कर्मचारियों का बड़ा समूह 12 अक्टूबर को लखनऊ के ईको गार्डन में होने वाली हड़ताल में शामिल होने रवाना हुआ। कर्मचारियों ने समान वेतन और महंगाई भत्ता सहित अन्य मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही।

शारदीय नवरात्र का वाराणसी में हुआ भक्तिभाव से शुभारंभ

- घरों और पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
वाराणसी। जनपद में शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार आश्विन शुक्ल प्रतिपदा पर घरों और मंदिरों में विधि-विधान से कलश स्थापना कर मां दुर्गा का आह्वान किया गया। शहर के विभिन्न पूजा समितियों और वलंबों द्वारा सजाए गए पंडालों में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। पंडालों में दर्शन-पूजन को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इन पंडालों में कुल नौ दानि देवी प्रतियाओं का दर्शन भवत कर सकते हैं। सुड़िया स्थित एसबी दुर्गा पूजा समिति द्वारा मां दुर्गा की विशेष प्रतिमा स्थापित की गई है। इस बार माता हाथी पर सवार होकर आई हैं। पिछले 27 वर्षों से समिति में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस बार पंडाल में खाटू श्याम का भी दिव्य स्वरूप सजाया गया है।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंडाल में अग्निशमन की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं टाउनहाल स्थित दुर्गा पूजा समिति के कोषाध्यक्ष धर्मराज मिश्रा ने बताया कि उनके वलंब में पूजा-अर्चना शुरू हो गई है और आयोजन दस दिनों तक चलेगा।

नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक आज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
वाराणसी। नगर निगम की कार्यकारिणी समिति की साधारण बैठक सोमवार को होगी। नगर निगम मुख्यालय के सभागार में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में बैठक होगी। बैठक में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए अस्थायी जलाशय का निर्माण, पूजा पंडालों के आसपास सफाई व्यवस्था, बंदरों के आतंक, कुत्तों के बंध्याकरण की समीक्षा, जगह-जगह स्ट्रीट लाइटों के खराब होने से दिक्कतों के समाधान, पूजा पंडालों के आसपास सीवर ओवरफ्लो की समस्याओं के समाधान आदि मुद्दों पर चर्चा होगी।

शिक्षक समस्याओं के शीघ्र निस्तारण को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, जनपद उन्नाव को जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक निराला प्रेक्षागृह पार्क में जिलाध्यक्ष भरत चित्रांशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए पदाधिकारियों ने शिक्षकों की लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया तथा उनके समयबद्ध निस्तारण के लिए संगठन स्तर पर प्रभावी पहल करने की आवश्यकता जताई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भरत चित्रांशी ने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं का समाधान और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न विकास खंडों से प्राप्त शिकायतों एवं



सुझावों के आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख मांगों के शीघ्र निस्तारण हेतु अनुरोध करने की बात कही। बैठक में शिक्षकों के लंबित चयन वेतनमान

एवं अवशेष वेतन के शीघ्र भुगतान, वित्त एवं लेखाधिकारी तथा खंड शिक्षा अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर वेतन संबंधी प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण, याची इंचार्ज

शिक्षकों के वेतन एवं एरियर के संबंध में माननीय न्यायालय के आदेशानुसार अग्रिम कार्यवाही तथा मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से सेवा पुस्तिकाओं में आवश्यक संशोधन सुनिश्चित कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न विकास खंडों में दुर्गम एवं क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों तथा जलभराव से प्रभावित विद्यालयों में बच्चों के सुरक्षित आवागमन की गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त की गई। संगठन ने ऐसे विद्यालयों के संबंध में विभागीय स्तर से स्पष्ट मार्गदर्शन एवं आवश्यक समाधान सुनिश्चित कराने की आवश्यकता पर बल दिया। जिला कोषाध्यक्ष सोनू वाजपेई ने उपस्थित शिक्षक प्रतिनिधियों को आश्वासित करते हुए कहा कि शिक्षकों की प्रत्येक न्यायोचित समस्या के समाधान के लिए संगठन पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। संबंधित

अधिकारियों से निरंतर संवाद स्थापित कर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण का प्रयास किया जाएगा। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि शिक्षक हितों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक न्यायसंगत मांग को संगठन पूरी मजबूती से उचित मंच पर उठाता रहेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यकारी अध्यक्ष अंबिका प्रसाद चौरासिया, जिला उपाध्यक्ष गणेश शंकर गुप्ता, अजय प्रताप सिंह, अवनीश कुमार, विनय दीक्षित, सूरज गुप्ता, धीरज प्रताप सिंह, राम नरेश तिवारी, जितेंद्र विश्वकर्मा, योगेंद्र तिवारी, योगेंद्र कुमार शुक्ला प्रदीप श्रीवास्तव, मानस पांडे, प्रिया मंजु रजनी, प्रगति, सुमन, शैलेंद्र, कामेश, जितेंद्र, सुनील, अरविंद रजनीशकुमार,आरती, सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए संगठन के पदाधिकारी एवं शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उन्नाव में प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर दी जान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। जनपद में रविवार दोपहर प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों पेड़ से एक ही रस्सी से लटक मिले। युवक-युवती रिश्ते में ममेरे-फुफेरे भाई-बहन थे। बाग से गुजर रहे गांव वालों ने शव लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर भीड़ लग गई। पुलिस ने दोनों की बांडी को नीचे उतरवाया। गांव वालों से मामले की जानकारी ली। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला बिहार थाना क्षेत्र धमनीखेड़ा गांव का है। छत्ताखेड़ा गांव निवासी बाबूलाल पासी के बेटा अभय कुमार (24) का महारामऊ गांव के श्यामलाल पासी की बेटी प्रीति (22) अफेयर था। दोनों में ममेरे-फुफेरे भाई-बहन का रिश्ता था। प्रीति-अभय रविवार सुबह करीब 10 बजे चुपचाप अपने-अपने घरों से निकले थे।

बता दे कि रविवार दोपहर दोनों धमनीखेड़ा गांव में रेलवे क्रॉसिंग के पास आम के बाग में पहुंचे। यहां कुछ देर बातचीत के बाद दोनों ने फांसी लगा ली। वहां से गुजर रहे गांव वालों ने दोनों की बांडी देखी शोर मचाया। लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों के अनुसार, प्रीति की शादी 30 नवंबर 2025 को बोधापुर कोतवाली क्षेत्र के शहतन गांव में हुई थी।



इन दिनों वह मायके में रह रही थी। बीती रात करीब 2 बजे प्रीति घर से निकली थी। सुबह परिजनों को पता चला तो पुर्वा थाने में शिकायत दी। प्रीति के परिवार में उससे बड़ी बहन आरती और तीन भाई कुलदीप, सचिन व संदीप हैं। वह 4 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उसके पिता किसान हैं। भाई कुलदीप दिल्ली में प्रॉवेट नौकरी करता है। सचिन ढाबे पर काम करता है। संदीप दुबई में जांब करता

है। अभय के एक बहन हैं। पिता बीमार रहते हैं। अभय फैक्ट्री में नौकरी करता है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया- शुरुआती जांच में दोनों में अफेयर की बात सामने आई है। रिश्ते में दोनों भाई-बहन लगते थे। परिजनों और गांव वालों से बात की जा रही है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। दोनों की मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। जांच की जा रही है।

बसपा की बूथ कमेटी ही संगठन की असली ताकत : विश्वनाथ पाल

- कुर्सी में कोकब के समर्थन में उठी आवाज, प्रत्याशी बनाने की मांग
- विश्वनाथ पाल का जोरदार स्वागत, कोकब के समर्थन में जुटे सैकड़ों बसपा कार्यकर्ता

लोक हस्तक्षेप एजेंसी

बाराबंकी। कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में रविवार को बहुजन समाज पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों के बीच संगठन की मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाई। बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल के क्षेत्र में पहुंचने पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं बसपा नेता तालिब नजीब कोकब के नेतृत्व में समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कुर्सी विधानसभा क्षेत्र से कोकब को पार्टी का प्रत्याशी बनाए जाने की मांग भी उठाई गई। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का ग्राम अनवारी, बेहटा, दारापुर चौराहा, पिनसावा और कुर्सी में स्वागत किया गया। इसके बाद बाबागंज में सेक्टर, बूथ कमेटी एवं कैडर कैप की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों पर चर्चा के साथ कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने तालिब नजीब कोकब की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही बसपा सुप्रीमो मायावती का संदेश लेकर दोबारा क्षेत्र में आएंगे और प्रत्याशी की घोषणा करेंगे। उनके इस बयान के बाद बैठक में मौजूद समर्थकों ने कोकब को कुर्सी विधानसभा क्षेत्र से बसपा



प्रत्याशी बनाए जाने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। हालांकि, बैठक में प्रत्याशी के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तालिब नजीब कोकब ने मायावती को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अयोध्या मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी अजय कुमार गौतम ने बसपा की नीतियों और मायावती के संदेश को

साझा किया। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों में कार्यकर्ताओं की भागीदारी पर जोर दिया। इस मौके पर मंडल प्रभारी विक्रम गौतम, जिलाध्यक्ष तुलसी प्रसाद, जिला संयोजक डॉ. माधव सिंह पटेल, प्रमोद गौतम, अशोक बाबू, राजेंद्र प्रसाद गौतम, बंसी लाल गौतम, विश्राम लाल गौतम, विद्या प्रसाद गौतम, चंदन पाल, डॉ. रंजीत चौधरी, रंजीत कुमार, रत्नेश कुमार राय, लक्ष्मी नारायण, मोहम्मद इफान और मोहम्मद आसिफ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

जन्मदिन पर संजय राठी ने किया वृहद वृक्षारोपण 100 महिलाओं को वितरित की साड़ियां

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। साकेत धाम रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर ग्राम बिचपरी में सामाजिक सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर 40 पौधे लगाए गए, वहीं जरूरतमंद महिलाओं को 100 साड़ियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक एवं भाजपा नेता विमल द्विवेदी, हाईकोर्ट अधिवक्ता ओपी तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण और जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी वितरण की पहल की



सराहना की।

इस अवसर पर चंद्रप्रकाश अवस्थी, हरिओम सिंह, विशाल सिंह, मुन्ना सिंह अवधूत, अखिलेश अवस्थी, अवनीश गुप्ता, पत्रकार प्राचीन मिश्रा व सत्यम पांडेय,अजय त्रिवेदी,

अखिल मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहयोग का संदेश दिया गया।

जेपी और अब्बास अली ने समाजवादी आंदोलन को दी दिशा : राजनाथ

बाराबंकी। संपूर्ण क्रांति के नायक जयप्रकाश नारायण और आजाद हिंद फौज के सेनानी कैप्टन अब्बास अली समाजवादी आंदोलन के ऐसे दो स्तंभ थे, जिन्होंने आजादी की लड़ाई से लेकर सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष तक अपनी अमिट छाप छोड़ी। दोनों महानायकों ने संघर्ष, सत्याग्रह और जनसेवा को जीवन का ध्येय बनाया। उनके विचार आज भी युवाओं को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। यह विचार गांधी जयंती समारोह ट्रस्ट की ओर से गांधी भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी में समाजवादी चिंतक राजनाथ शर्मा ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में जयप्रकाश नारायण की जयंती और कैप्टन अब्बास अली



की तीसरी पुण्यतिथि पर दोनों महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजनाथ शर्मा ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में समाजवादियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आजादी की लड़ाई से अंतिम दौर में अरुणा आसफ अली, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन और यूसुफ मेहर अली जैसे नेताओं ने संघर्ष को नई दिशा

दी। जेपी प्रारंभ में माक्सवाद से प्रभावित रहे, लेकिन बाद में आचार्य नरेंद्र देव के विचारों से जुड़े। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद के वर्षों में संपूर्ण क्रांति का उनका आह्वान युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत बना।

जेपी प्रारंभ में माक्सवाद से प्रभावित रहे, लेकिन बाद में आचार्य नरेंद्र देव के विचारों से जुड़े। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद के वर्षों में संपूर्ण क्रांति का उनका आह्वान युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत बना।

सेवा नियमावली-2020 में संशोधन की प्रक्रिया तेज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सौतापुर/लखनऊ। प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती बी. हेकाली झिमोमी से 9 अक्टूबर को सेवा नियमावली-2020 में संशोधन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रमुख सचिव ने महानिदेशक एवं संबंधित अधिकारियों को 10 और 11 अक्टूबर के अवकाश में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक संशोधन की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।



थाने के पास भांग की दुकान से गांजा बिक्री का आरोप, पुलिस की निगरानी पर उठे सवाल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

धाता (फतेहपुर)। जनपद फतेहपुर के धाता कस्बे में पुलिस थाने से महज कुछ ही दूरी पर स्थित एक भांग की दुकान से कथित तौर पर अश्वेत गांजा बेचे जाने का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय स्तर पर लग रहे इन आरोपों के बाद क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ग्रामीणों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, संबंधित दुकान पर भांग की आड़ में लंबे समय से खुलेआम गांजे की बिक्री की जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह दुकान धाता थाने से चंद कदम की दूरी पर स्थित है। थाने के इतने नजदीक कथित रूप से चल रहे इस अवैध कारोबार ने पुलिस की मुसुंदी और खुफिया तंत्र पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि एक तरफ जहां जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) द्वारा नशे के खिलाफ लगातार कड़ा अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भागीदारी भवन में पहली एलुमनाई मीट, सफल अभ्यर्थियों ने वर्तमान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने का लिया संकल्प

लखनऊ संवाददाता।। गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में रविवार को पहली एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न प्रशासनिक और राज्य सेवाओं में चयनित पूर्व विद्यार्थियों तथा वर्तमान अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से इस वर्ष उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 74 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असीम अरुण ने कहा कि भागीदारी भवन से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलता हासिल करना कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वास्तविक सफलता वही है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों से अपनी उपलब्धियों को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की।मांत्री ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि वे जिस संस्थान और समाज के सहयोग से आगे बढ़े हैं, उसके प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझें। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों की मदद के लिए नियमित ऑनलाइन और ऑफलाइन मार्गदर्शन सत्र आयोजित करने, अत्यास साक्षात्कार कराने तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन कक्षाओं, वीडियो रिकॉर्डिंग और डिजिटल अध्ययन सामग्री के माध्यम से निरंतर मार्गदर्शन व्यवस्था तैयार करने की आवश्यकता भी बताई गई। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक जरूरतमंद अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग देना है।कार्यक्रम में सार्वजनिक सेवाओं और प्रशासनिक पदों पर चयनित अधिकारियों से वंचित, ग्रामीण और जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में निष्पक्षता, पारदर्शिता और ईमानदारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।एलुमनाई मीट में सफल अभ्यर्थियों ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन देने, परीक्षा की रणनीति और साक्षात्कार के अनुभव साझा करने तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए स्थायी नेटवर्क विकसित करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव, अपर पुलिस अधीक्षक सजय सागर, समाज कल्याण के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह, संयुक्त आयुक्त राज्य कर सुरेंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी पवन कुमार यादव तथा अनुसूचित जाति मोर्चा, काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेश राम सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक और अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला ई-रिक्शा चालक का शव, पुलिस ने शुरु की जांच



लखनऊ संवाददाता।। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के वीरमपुर गांव के मजरा शिवपुरी में एक युवक का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान वीरमपुर मजरा शिवपुरी निवासी राजन उर्फ रजनु लोध (35) पुत्र स्वर्गीय लासा दीन लोध के रूप में हुई है। शुकवार को उसका शव घर से करीब 600 मीटर दूर स्थित गांव के आम के बाग में आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बीकेटी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य संकलन के साथ मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जा रही है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राजन ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में दो बच्चे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने के योगी सरकार के मिशन को गति

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे रोजगार मिशन को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में आगामी 16 अक्टूबर 2026 को वृहद रोजगार मेले (कैंपस प्लेसमेंट) का आयोजन किया जा रहा है। प्रातः 10 बजे से आयोजित होने वाले इस रोजगार मेले में प्रतिष्ठित औद्योगिक कंपनियों द्वारा कुल 800 रिक्त पदों पर युवाओं का चयन किया जाएगा।रोजगार मेले में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिरो मोटोकॉर्प लिमिटेड और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी बैक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। यह पहल प्रदेश के युवाओं को उनके तकनीकी कौशल और शैक्षिक योग्यता के अनुरूप सीधे उद्योगों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।हिरो मोटोकॉर्प लिमिटेड द्वारा अप्रेंटिसशिप



योजना एवं प्रधानमंत्री इंटरनशिप योजना (पीएमआईएस) के तहत कुल 300 पदों पर चयन किया जाएगा। इनमें 150 पद पुरुष और 150 पद महिला अभ्यर्थियों के लिए हैं।आईटीआई अप्रेंटिस

के 150 पदों पर फिटर, टर्नर, एमएमवी, मशीनिस्ट, वेल्डर और इलेक्ट्रीशियन ट्रेड से आईटीआई उतीर्ण 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन होगा। चयनित अभ्यर्थियों को 17,060 प्रतिमाह

स्टाइपेंड मिलेगा। एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप के बाद एक वर्ष टीटीएस के तहत 18,060 प्रतिमाह वेतन देय होगा।वहीं पीएमआईएस-स्टूडेंट ट्रेनी के 150 पदों पर 10वीं/12वीं उत्तीर्ण गैर-आईटीआई अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को कुल 23,321 प्रतिमाह का लाभ मिलेगा, जिसमें 15,221 कंपनी तथा 78,100 केंद्र सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में दिए जाएंगे।नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत बैक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 500 पुरुष अभ्यर्थियों का कंपनी रोलस पर चयन किया जाएगा। इसके लिए 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी पात्र होंगे।द्वारका (गुजरात) सोलर प्रोजेक्ट तथा तमिलनाडु-कर्नाटक लिंड पावर प्लांट के लिए आईटीआई तकनीकी एवं बीएससी ग्रेजुएट अभ्यर्थियों का टेक्नीशियन/हेल्पर पद पर 17,000 मासिक सीटीसी तथा मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा धारकों

का ट्रेनी/टेक्नीशियन पद पर 218,000 मासिक सीटीसी पर चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को पीएफ, ईएसआईसी सहित अन्य लागू सुविधाएं भी मिलेंगी।**युवाओं के लिए रोजगार के साथ सुविधाएं भी** हिरो मोटोकॉर्प में चयनित अभ्यर्थियों को रखाड़ी, हरियाणा स्थित प्लांट के लिए तीन दिन का होटल स्टे, यूनिफॉर्म, सुरक्षा जुते, कैटीन सुविधा, 21 लाख का मॉडकलेम, सवेतन अवकाश और अनुभव प्रमाण पत्र जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। चयन में निर्धारित शारीरिक मानकों के साथ ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को वरीयता दी जाएगी।**16 अक्टूबर को आईटीआई अलीगंज में पहुंचें अभ्यर्थी** प्लेसमेंट अधिकारी एम. ए. खान ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 16 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 बजे राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ परिसर में पहुंचकर साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं।

आठ साल की उम्र में 1,000 से अधिक कथक प्रस्तुतियां देकर गार्गी द्विवेदी ने बनाया रिकॉर्ड, बालिकाओं के लिए बर्नी प्रेरणा

लखनऊ संवाददाता। । उम्र छोटी हो तो सपने भी छोटे हों, यह जरूरी नहीं। अपनी प्रतिभा, लगन और निरंतर साधना के दम पर लखनऊ की नन्ही कथक नृत्यांगना गार्गी द्विवेदी ने यह साबित कर दिखाया है कि कम उम्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। महज आठ वर्ष की उम्र में एक हजार से अधिक मंचीय कथक प्रस्तुतियां देकर उन्होंने अपनी कला का लोहा मनवाया है। उनकी इस उपलब्धि के लिए एक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिलने की जानकारी सामने आई है।अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर गार्गी की उपलब्धियां उन बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो अपनी प्रतिभा के दम पर अलग पहचान बनाना चाहती हैं। पारंपरिक कथक शैली में प्रभावशाली प्रस्तुतियों के जरिए वह भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय कला को आगे बढ़ाने के साथ ही बालिकाओं के आत्मविश्वास और सशक्तीकरण का संदेश भी दे रही हैं।गार्गी लखनऊ के सिटी मॉटेसरी स्कूल (सीएमएस), इंदिरानगर में कक्षा तीन की छात्रा हैं। वह संगीत नाटक अकादमी से कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इतनी कम उम्र में एक हजार से अधिक मंचीय



प्रस्तुतियां देना उनकी कला के प्रति समर्पण, अनुशासन और नियमित अभ्यास को दर्शाता है।गार्गी की उपलब्धियों में दो राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। उन्होंने नेशनल डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के जूनियर वर्ग में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। यह सम्मान उन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदान किया। इसके अतिरिक्त संस्कृति मंत्रालय के एक राष्ट्रीय आयोजन में लोकगीत वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर छत्रा हैं। वह संगीत नाटक अकादमी से कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इतनी कम उम्र में एक हजार से अधिक मंचीय

लखनऊ, अयोध्या और गोंडा में आयोजित विभिन्न महोत्सवों में भी उन्होंने कथक के माध्यम से दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया है।गार्गी के लिए कथक महज नृत्य की एक विधा नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने और आत्मविश्वास को मजबूत बनाने का माध्यम भी है। नृत्य की जटिल पदचाप, लयकारी, भाव-भंगिमाओं और मुद्राओं के समन्वय से वह मंच पर भारतीय संस्कृति की जीवंत छवि प्रस्तुत करती हैं।

उनकी यात्रा बताती है कि कला बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ उन्हें अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर भी देती है।अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य भी प्रत्येक बालिका को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी प्रतिभा विकसित करने का अधिकार दिलाने की दिशा में समाज को संदेश को मजबूती देती है कि परिवार और समाज का प्रोत्साहन मिले तो बेटियां अपनी मेहनत और प्रतिभा से नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पांच क्षेत्रों में जिलाध्यक्ष घोषित, संगठन को मजबूत करने पर जोर

लखनऊ संवाददाता। । भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा ने प्रदेश के पांच संगठनात्मक क्षेत्रों काशी, अवध, कानपुर, बुज और पश्चिम के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से 11 अक्टूबर को जारी सूची में विभिन्न जिलों और महानगर इकाइयों के लिए नए अध्यक्षों के नाम घोषित किए गए हैं। सूची पर अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक रावत के हस्ताक्षर हैं।काशी क्षेत्र में वाराणसी महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज सोनकर और वाराणसी जिले के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप बनाए गए हैं। चन्दीली में रंजीत कुमार, गाजीपुर में अमित सिद्धार्थ, मिर्जापुर में जयप्रकाश, भदोही में रमेश पासी, सोनभद्र में नीरज कनौजिया, जौनपुर में विमल गौतम, मछलीशहर में आशीष सरोज, सुल्तानपुर में विश्व प्रताप कोरी, अमेठी में रोहित चौधरी पासी, प्रयागराज महानगर में संजय पासवान, प्रयागराज यमुनापर में दुबराज भारती, प्रयागराज गंगापर में सूरज पासी, प्रतापगढ़ में शिवमूरत उर्फ भैयन, कोशाम्बी में हरिशचंद्र सोनकर और सूची में उल्लिखित एक अन्य नाम के रूप में अशोक रावत का नाम दर्ज है। उपलब्ध सूची में प्रयागराज गंगापर और प्रतापगढ़ के नामों का क्रम स्पष्ट नहीं है।अवध क्षेत्र में लखनऊ महानगर की जिम्मेदारी कुदैन सिंह गौतम को दी गई है। रायबरेली में अभिषेक रावत, उन्नाव में राम बरन रावत, सीतापुर में प्रदीप कुमार राजपूत, लखीमपुर में रामकिशोर कनौजिया, हरदोई में प्रमोद चौधरी, अयोध्या जिला इकाई में रवि वाल्मीकि, अयोध्या महानगर में सियाराम रावत, अम्बेडकर नगर में



अभिषेक सागर, बाराबंकी में परशुराम चौधरी, बलरामपुर में मनोज कुमार कुरील, बहराइच में राजाराम गौतम, गोंडा में संजय राव और श्रावस्ती में दिलीप सरोज को जिम्मेदारी दी गई है। सूची में लखनऊ जिले के लिए नाम स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं है।कानपुर क्षेत्र में कानपुर उत्तर के अध्यक्ष विजय वाल्मीकि, कानपुर दक्षिण के जय नारायण कुरील और कानपुर ग्रामीण के राजेश कोरी बनाए गए हैं। फतेहपुर में सुमित कठेरिया, कनौज में अशोक दोहरे, फर्रुखाबाद में शिवनीत सीनू कठेरिया, बांदा में रविन्द्र कुमार उर्फ रिकू पुरी, महोबा में महिपाल कनौजिया, झांसी महानगर में अमित कठिक, झांसी जिले में आकाश आर्य, ललितपुर में मीनू वाल्मीकि, हमीरपुर में कपिल वर्मा और जालौन में कैलाश बाबू वर्मा को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। उपलब्ध सूची में कानपुर, औरैया और इटावा के नामों का क्रम स्पष्ट नहीं है।बुज क्षेत्र में आगरा जिले के अध्यक्ष सोनू दिवाकर और आगरा महानगर के अध्यक्ष हर्ष दिवाकर बनाए गए हैं। मथुरा जिले में सतीश कुमार वाल्मीकि, मथुरा महानगर में बुजमोहन, फिरोजाबाद जिले में अखिलेश गौतम, फिरोजाबाद महानगर में हरिबाबू दिवाकर, अलीगढ़

जिले में मुकेश सूर्यवंश, हाथरस में तपन जौहर, मैनपुरी में गौतम कठेरिया, एटा में धर्मेन्द्र दिवाकर, कासगंज में सुमित वाल्मीकि, बरेली जिले में विनोद दिवाकर, बरेली महानगर में अभिजीत कठेरिया, अंबाला में रजत राज वाल्मीकि, बदायूं में तेजपाल सागर, पीलीभीत में हेमराज दिवाकर, शाहजहापुर जिले में महेंद्र पाल सिंह और शाहजहांपुर महानगर में विनोद कुमार कनौजिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है।पश्चिम क्षेत्र में रामपुर के अध्यक्ष सुशील दिवाकर, मुरादाबाद जिले के रविन्द्र सिंह रैदास, मुरादाबाद महानगर के सिद्धान्त भारती वाल्मीकि, सम्भल के महावीर जाटव, अमरौहा के संजय वाल्मीकि, बिजनौर के पीपूष राज, सहारनपुर जिले के दुयन्त सिंह, सहारनपुर महानगर के वरदान धावरी, मेरठ जिले के यशवीर सिंह, मेरठ महानगर के जगदेव सिंह, हापुड़ के कुलदीप मसूरी, बागपत के विनोद जाटव, गाजियाबाद जिले के संजय वाल्मीकि, गाजियाबाद महानगर के रविन्द्र आर्य, नोएडा महानगर के अमित तिसावर, गौतमबुद्धनगर के वेदप्रकाश जाटव और बुलंदशहर के अजय वाल्मीकि को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। सूची में मुजफ्फरनगर, शामली और कुछ अन्य इकाइयों के नामों का क्रम स्पष्ट नहीं है।भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की इन घोषणाओं को प्रदेश में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, जारी सूची में कुछ जिलों और नामों का क्रम अस्पष्ट होने के कारण संबंधित इकाइयों के पदाधिकारियों की अंतिम स्थिति की आधिकारिक सूची से पुष्टि किया जाना आवश्यक है।

स्ट्रीट डॉग को गोली मारने के आरोप में सिक्वोरिटी गार्ड गिरफ्तार, लाइसेंसी बंदूक और कारतूस बरामद

लखनऊ संवाददाता।तालकटोरा थाना क्षेत्र में स्ट्रीट डॉग को गोली मारने के मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी दो नाली बंदूक, एक खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस और शस्त्र लाइसेंस बरामद किया है। सीसीटीवी फुटेज और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की पहचान कर रविवार को उसे गिरफ्तार किया गया।पुलिस के मुताबिक, छह अक्टूबर 2026 को तालकटोरा थाना क्षेत्र में बाइक सवार एक व्यक्ति ने स्ट्रीट डॉग को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। मामले में आसरा द हेलिंग्स हेंड्स ट्रस्ट की ओर से चारू खरे और पशु अधिकार कार्यकर्ता अनु बोस ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही घटना से पहले और बाद में सड़िथ के आने-जाने के रास्तों की जांच की गई।जांच के दौरान पुलिस ने मुनेश्वरपुरम, बाराशहखेड़ा निवासी सदीप कुमार तिवारी (42) की पहचान की। पुलिस के अनुसार, वह प्रिंसिपल सिक्वोरिटी एंड एलाइड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत है। पृष्ठ्ताछ में अभियुक्त ने बताया कि छह अक्टूबर को रात की इ्यूटी पूरी कर घर लौटते समय कुत्तों द्वारा पीछा किए जाने पर उसने आवेश में आकर अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चला दी थी। गोली लगने से कुत्ते की मौत हो गई।पुलिस ने मामले में प्रयुक्त लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक संख्या 8691 8/7 डू-2003, एक खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस और शस्त्र लाइसेंस संख्या 895/तालकटोरा/लखनऊ को नियमानुसार कब्जे में लिया है। प्रकरण में अभ्यु अधिनियम की धारा 30 भी बढ़ाई गई है।तालकटोरा थाने में मुकदमा संख्या 210/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, पशु कूटा निवारण अधिनियम की धारा 11 और आयुध अधिनियम की धारा 30 में मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त को 11 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, शहरी विकास और रोजगार को मिली नई रफ्तार

लखनऊ संवाददाता।। उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ती आबादी, रोजगार के नए अवसरों और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच शहरी यातायात को सुगम बनाना बड़ी चुनौती है। ऐसे में केवल सड़कों का चौड़ीकरण यातायात संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने की दिशा में मेट्रो और आधुनिक नगरीय रेल सेवाओं का विस्तार प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। वर्ष 2017 की शुरुआत में प्रदेश में कोई नियमित वाणिज्यिक मेट्रो सेवा संचालित नहीं थी, लेकिन इसके बाद लखनऊ से शुरू हुआ सफर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा और मेरठ क्षेत्र तक पहुंचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शहरी परिवहन को विकास और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता से जोड़ने पर जोर दिया गया है।मेट्रो सेवा का सबसे प्रत्यक्ष लाभ समय की बचत के रूप में सामने आता है। निर्धारित समय-सारिणी, अलग गलियारों और नियमित परिचालन के कारण यात्री



अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं। इससे कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों और परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक जाने में सुविधा मिलती है। सड़क जाम की अनिश्चितता कम होने से शहरों की उत्पादकता बढ़ती है। सुरक्षित स्टेशन, निगरानी व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश और आरक्षित सुविधाएं महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांग यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को अधिक उपयोगी बनाती हैं।लखनऊ मेट्रो ने राजधानी के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक और परिवहन क्षेत्रों को जोड़ने में भूमिका गुणवत्ता से जोड़ने पर जोर दिया गया है।कानपुर जैसे औद्योगिक शहर में मेट्रो घनी आबादी वाले मार्गों पर आवामनन का नया विकल्प उपलब्ध करा रही है। आगरा में यह सेवा स्थानीय नागरिकों के साथ पर्यटकों के लिए भी

महत्वपूर्ण है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मेट्रो नेटवर्क औद्योगिक क्षेत्रों तथा सूचना प्रौद्योगिकी केंद्रों तक पहुंच आसान बनाता है। वहीं, गाजियाबाद और मेरठ क्षेत्र में आधुनिक नगरीय रेल तथा क्षेत्रीय तीव्र परिवहन ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से संपर्क को नया स्वरूप दिया है। अलग-अलग शहरों की जरूरतों के अनुरूप परियोजनाओं का विकास इस विस्तार की खास विशेषता है।मेट्रो परियोजनाएं निर्माण के दौरान और परिचालन शुरू होने के बाद रोजगार के अनेक अवसर भी पैदा करती हैं। सिविल इंजीनियरिंग, विद्युत व्यवस्था, संकेत प्रणाली, सुरक्षा, टिकटिंग, सफाई, रखरखाव और स्टेशन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर्मचारियों

का आवश्यकता होती है। स्टेशनों के आसपास व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय बाजार और संपत्ति विकास को भी गति मिल सकती है। यदि बसों, ई-रिक्शा, पैदल मार्गों और पार्किंग व्यवस्था का मेट्रो के साथ बेहतर समन्वय हो, तो इसका लाभ संबंधित गलियारों से आगे तक पहुंच सकता है। सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न साधनों को एक-दूसरे से जोड़ना भविष्य के शहरी विकास के लिए जरूरी है।पर्यावरण की दृष्टि से भी सार्वजनिक परिवहन का विस्तार महत्वपूर्ण है। बड़ी संख्या में यात्रियों को एक साथ ले जाने वाली बिजली से चलने वाली मेट्रो सेवा निजी वाहनों पर निर्भरता और ईंधन की खपत घटाने में मदद कर सकती है। इससे वायु प्रदूषण, शोर और सड़क दुर्घटनाओं में कमी की संभावना बढ़ती है। राज्य सरकार ने मेट्रो विस्तार को स्मार्ट सिटी, शहरी पुनर्विकास और बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य बल्कि ऐसे शहर विकसित करना है जहां

काम, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बाजारों तक पहुंच आसान हो तथा नागरिकों का समय और स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।प्रदेश में आधुनिक शहरी परिवहन नेटवर्क का विस्तार एक दिन में संभव नहीं हुआ। इसके लिए नीतिगत निरंतरता, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में परियोजनाओं की प्रगति, केंद्र और राज्य के बीच सहयोग, बहु-माध्यम परिवहन तथा बाधाओं की पहचान और उनके समाधान से कामकाज को गति देने में मदद मिलती है। डिजिटल प्रणालियों के इस्तेमाल से आवेदन, भुगतान और निगरानी की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा और मेरठ क्षेत्र की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। कहीं तेज संपर्क की जरूरत है तो कहीं औद्योगिक गतिविधियों, स्वास्थ्य संस्थानों और पर्यटन स्थलों तक पहुंच को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार परिवहन योजनाओं का विकास होने से बड़े महानगरों के बाहर भी निवेश और सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार का आधार तैयार होता है। स्थानीय स्तर पर रोजगार और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से लोगों को अपने अपने सामाजिक परिवेश से दूर जाने की मजबूरी कम हो सकती है। इससे परिवारों को अपने ही क्षेत्र में आय और विकास के अवसर मिल सकते हैं।शहरी परिवहन परियोजनाओं की सफलता के लिए प्रशासनिक जवाबदेही और प्रभावी प्रबंधन भी जरूरी है। भूमि, अनुबुध, समय-सीमा और सार्वजनिक धन का उचित इस्तेमाल सुनिश्चित होने पर ही नागरिकों को परियोजनाओं का पूरा लाभ मिल सकता है। नियमित समीक्षा से अड़चनों का समय रहते समाधान करने और निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने में सहायता मिलती है।



एक ही मुद्दे पर दो समानांतर मोर्चे

चुनाव चोरी के खिलाफइंडिया गठबंधन का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। मंगलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी इंडिया गठबंधन के तमाम सांसद फिर से एकत्र हुए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर सभी सांसदों और कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया। इस बार कर्नाट ए्लेस के मोएट्स में सारा इंडिया ब्लॉक एकत्र हुआ तो अमित शाह ने पुलिस और सुरक्षा बलों का भारी जमावड़ा वहीं रेस्तरां के बाहर लगावा दिया। निर्वाचित सांसदों का एक जगह जमा होना और साथ खाना खाना वया किसी खतरे का संकेत है, जिससे निपटने के लिए पुलिस बुला ली गई। अभी उंड का मौसम आते ही कोई सांसद मक्के की रोटी और साना की दावत अपने घर पर रखेगा, कोई मकर सक्रांति पर दही-चूड़ा के लिए साथी सांसदों को न्यौता देगा, तो वया इन सभी के बंगलों के बाहर पुलिस तैनात होगी। वयोकि अब तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन अब मोदी-शाह का डर इतना बढ़ चुका है कि जहां इंडिया के सांसदों को देखा वही पुलिस तैनात कवचा दी। यह डर स्वाभाविक भी है, वयोकि चुनावों में धांधली करने के लिए एसआईआर का जो पूरा कुचक्र चलाया गया है, उसकी सच्चाई सामने आ रही है। विश्व के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का वक्त चाहते हैं, जो उन्हें नहीं मिल रस और इस बात पर विरोध करने की इजाजत भी नहीं मिल रही। गुरुवार को एक बार फिर तमाम विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में राजघाट की तरफबढ़े और इन प्रतियोगी के लिखे जाने तक एक बार फिर उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं। राजघाट पर भारतीय न्याय सहिता की धारा 163 लगा दी गई है, यानी भीड़ जमा होने से रोकने का ऐलान हो गया है। निर्वाचित सांसदों को जब भीड़ कल जाने लगे तो यह समझना कठिन नहीं है कि लोकतंत्र की वया गत बढ़ाई जा रही है। वैसे जिस तरह से मोदी सरकार ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफउठी आवाज को दबाने के लिए दमनकारी तरीके अपनाए हैं, उस पर गुरुवार को कांग्रेस ने देश भर में विरोध प्रदर्शन और तेज कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने सात तारीख को ही राज्य, जिला और ब्लॉकमंडल की कांग्रेस इकाइयों को पत्र लिखकर कहा था कि जो सलूक मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत तमाम सांसदों के साथ किया गया, उसके विरोध के लिए आठ अक्टूबर को काला दिवस मनाना जाए। कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर तो लगातार हलचल देखने मिलती है, लेकिन जिला और मंडल स्तर की इकाइयों में स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी मजबूत दिखती है। बीते 12 सालों में देश के कई हिस्सों में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता इसी वजह से हतोत्साहित थे कि उन्हें दिया देने वाले नेता संगठन पर ध्यान नहीं देते थे। कई जगहों पर कांग्रेस इसी वजह से मजबूत नहीं हो पाई वयोकि आपसी गुटबाजी रही। बीच में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस कानजोरी को दूर करने के लिए लगातार राज्य इकाइयों के साथ बैठकें की, संगठन को ना सिरे से मजबूत बनाने के लिए 2025 में काफ़ी फैसले भी लिए गए। लेकिन उनका उतना असर नहीं हुआ, जितना अब हो रस है। वयोकि कार्यकर्ता भी देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ-साथ समुग्रा विश्व सड़क पर उतर आए हैं। यह संघर्ष चुनावों में हार की निराशा को दूर करने में असरकारी साबित हो रस है। हालांकि इस संघर्ष का नतीजा वया निकलेगा, यह अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। वयोकि एक ही मुद्दे यानी एसआईआर में गड़बड़ी और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर दो समानांतर आंदोलन चल रहे हैं। इंडिया गठबंधन के अलावा कॉंग्रेसव जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरु करने का ऐलान किया है। इससे पहले आठ अक्टूबर को बंगलुरु में उसने प्रदर्शन किया। जिसमें अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज और उनके साथ जर्मनी से आए यूट्यूबर ध्रुव राठी भी शामिल हुए। अब ये सभी लोग 10 अक्टूबर को भी जंतर-मंतर पर रहेगें। वामपंथी छात्र संगठन नेस बोर ने भी 10 अक्टूबर के आंदोलन के लिए सभी से जुटने का आह्वान किया है। अभी 2 अक्टूबर की ही योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, कपिल शिब्लाल, मनोज झा आदि के साथ भी नेस बोर ने वोटर चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। जुलाई में पीए लीक के खिलाफभी ऐसे ही दो अलग-अलग मोर्चे खोले गए थे। राहुल गांधी तो छात्रों की गूंज कस ही रहे हैं, उपर सीजेपी ने भी आंदोलन किया था। हालांकि धर्मनृ पधान का इस्तीफा हो गया तो दोनों को ही सफलता मिली। लेकिन इस आंदोलन में भी नेस बोर मंच के नीचे अनजानरत थीं और उन्हें राहुल गांधी ने खास तौर पर बुलाकर गुलकात की थी, न्याय के लिए संघर्ष में साथ देने का वादा किया था। मगर अब नेस बोर ने वोटर चोरी के खिलाफ10 तारीख को तो एकजुट होने की बात कही, लेकिन इंडिया गठबंधन ने जो मोर्चा खोला है, जिस तरह रोज प्रदर्शन हो रहे हैं, उसने उसको साथ आने वयों नहीं कस, यह विचारणीय है। छह तारीख को नेस ने एक पोस्टर भी लिखी कि कुछ जन-प्रतिनिधि अपना काम कर रहे हैं और लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं, जबकि दूसरे अपने दिन गिनने में लगे हैं... इस पोस्टर के साथ राहुल गांधी का वीडियो उन्होंने लगाया है जिसमें पुलिस उन्हें जबरन पकड़ कर ले जा रही है। नेस अगर इसमें कुछ जनप्रतिनिधि की जगह सीधे राहुल गांधी का नाम लिखती तो उनकी पोस्टर का महत्व कुछ कम नहीं हो जाता। लेकिन ऐसा लगा रस है कि अब भी राहुल गांधी को निर्वादा नेता मानने में कोई हिचक दिखाई जा रही है, या कोई झिझक है, जो ऐसा करने से रोक रही है। राहुल गांधी या इंडिया का मौजूदा संघर्ष किसी नेस बोर, ध्रुव राठी, प्रकाश राज या अभिजित टिपके के प्रमाणपत्र या समर्थन का मोहदाख नहीं है। इंडिया के निर्वाचित सांसदों ने जिस तरह सड़क की लड़ाई छेड़ी है, वह सराहनीय है। लेकिन सवाल यही है कि जब मजिल एक ही है तो फिर सिविल सोसायटी खुलकर कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के साथ वयों नहीं आ रही। वया उसने जो समानांतर मोर्चा खोला है, उसका उद्देश्य यही है कि आंदोलन होता तो दिखे लेकिन परिणाम वही आए जो मौजूदा सत्ता के हक में हैं। आखिर ये तमाम लोग इतने मायूस तो नहीं हैं कि इन्हें तट कर लड़ने और मिल कर लड़ने का फर्क ही न पता हो।

तुलसी ,तानसेन ,ताजमहल को भारतीय सौंदर्य का प्रतीक मानते थे डाक्टर रामबिलास शर्मा

पेशे से अंग्रेजी के प्रोफेसर परन्तु हिंदी के मूर्धन्य विद्वान ,आलोचक ,विचारक चिंतक ,निबंधकार ,ऋषवेद और मार्क्स के अध्येयता तुलसीदास तानसेन और ताजमहल को भारतीय सौंदर्य का प्रतीक मानने वाले डॉक्टर रामविलास शर्मा का हिंदी साहित्य के प्रेमी आज उनके जन्म दिन पर उनके व्यक्तित्व कृतित्व को याद कर रहे हैं । उन्नाव की तहसील पुरवा के गांव ऊंच गांव सानी में 10 अक्तूबर 1912 को जन्मे राम विलास शर्मा जी का गांव जो बैसवारा क्षेत्र के अंतर्गत आता है ।

इस बैसवारा के महत्व के बारे में वह स्वयं लिखते हैं कि + गंगा लोन सई नदियों से सींची हुई बैसवारे की धरती उमजाऊ है। यहाँ की अमराईयों में कोसों तक बौर महक उठते हैं । चांदनी रात में सफेद धरती पर चुपचाप रस भर मुहवे टपकते हैं । कोल्हू में ईंध पेरी जाती है, कड़ाह में रस खोलता है, चीपी पतोई सबकी अलग-अलग मिश्रस की जगह-जगह चर्चा होती है । तालो में कहीं लाल

सफेद कमल तो रात में खिली हुई कोका बेली, भीगीत हुई सनई की गंध ,च्चार के पेड़ों में लिपटी हुई कर्चेलियों का सोधापन , जो और गेहूं के खेतों में शांत बहता हुआ पुर से निकलता हुआ कुएं का पानी ,ऐसा कौन होगा जिसको ऐसी अपनी धरती से प्यार ना होगा । जिसे वह अक्सर तब समझते हैं जब उन्हें बैसवारा से दूर जाना और रहना पड़ता है + उक्त शब्दों के सर्जक शर्मा जी के जीवन में यहां की प्राप्य संस्कृति रा रग में समाई नजर आती है । डाक्टर शर्मा ने 1934 में लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में परास्नातक करके वहीं अपना शोध किया और अंग्रेजी विभाग में 5 वर्षों तक अध्यापन किया । उसके बाद 1943 से 1971 तक आगरा के बी आर कालेज में अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष रहे फिर1974 तक के एम सुशी हिंदी संस्थान के निदेशक पद की जिम्मेदारी सहाली । हिंदी के नवजागरण काल की परंपरा



के पोषक डाक्टर शर्मा का प्रारंभिक जीवन स्वधर्मनता संग्राम के तत्कालीन क्रांतिकारियों में बीता था । यही कारण रहा कि उनके जीवन व कार्यों में क्रांतिकारिता का प्रभाव व कर्मठता कूट कूट कर भरी थी।

वह हिंदी के अकेले ऐसे लेखक हैं जिन्होंने पुरस्कारों की बड़ी से बड़ी शयियां स्वीकार नहीं की । हिंदी के क्षेत्र में इतना बहुमुखी मौलिक युग प्रवर्तक साहित्यकार दूसरा नजर नहीं आता । स । ह । त . य समालोचना ,काव्य रचना ,सांस्कृतिक इतिहास लेखन ,भाषा विज्ञान लेखन ,भाषा विज्ञान दर्शन ,इतिहास दर्शन ,विश्व राजनीति ,अनुवाद और

कारण उनकी जासूसी भी की गई इसी कम्यूनिस्ट विचारधार के कारण उनकी नौकरी तक में संकट खड़े हुए ।डाक्टर संपूर्णानंद तक ने उनको नौकरी से निकालने की सिकाशिश की थी । डाक्टर शर्मा का मानना था स्वदेशी का समर्थन होना चाहिए । पब्लिक सेक्टर में पूंजी का निवेश हो व देश का कालधन जम्ब हो । टेकनालाजी में देश स्वनिर्भर हो और विदेशी पूंजी का प्रतिकार और निषेध हो । डाक्टर शर्मा साहित्य के क्षेत्र में हिंदी भाषा के निर्माण में बाजार व्यापार के महत्व देने की बात करते हैं । इस क्षेत्र में उनकी मान्यताएं या तो मौलिक है या सामान्य प्रातिवादियो से भिन्न वे सौंदर्य को केवल व्यक्ति या विषय में नित्य करने के स्थान पर वे दोनो की अंतरक्रिया के रूप में प्रस्तुत करते हैं । डाक्टर शर्मा प्रागतिशील आंदोलन में प्रेम की संभावना को स्वीकृति प्रदान करते हैं । शर्मा जी की व्यवहारिक आलोचना का प्रस्थान बिंदु जहां रामचंद्र शुक्ल

हैं वहीं साहित्यिक आलोचना का महत्वपूर्ण बिंदु निराला की साहित्य साधना है ।निराला को अन्य विद्वानों ने शक्ति ऊर्जा और ओज का रचनाकार कहा परंतु डाक्टर शर्मा ने उनके साहित्य में समाहित करुणा के मूल भाव को प्रतिस्थापित किया । रामविलास जी ने उन रचनाकारों के महत्व की स्थापना की जो साहित्य की जनवादी परंपरा से जुड़े थे । भक्तिकाल को लोक जागरण और आधुनिक काल को नवजागरण मानते है । उन्होंने हिंदी आलोचना में यथार्थवादी चिंतन को आधार प्रदान किया तथा मार्क्सवादी समीक्षा और सौंदर्य शास्त्र की नीव रखी उन्होंने भारतीय साहित्य और हिंदी जाति के साहित्य की सही आधारप्राणा प्रस्तुत कर साहित्य के इतिहास लेखन का नया वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिया । उन्होंने भारतेंदु गुण के लेखकों को महत्व दिया तथा महानिबन्ध विदेही जी के आर्थिक सामाजिक सहित अन्य विषयों के विश्लेषण को महत्व प्रदान किया ।

अवधेश कुमार

इस समय भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य और केन्द्र के लगातार 25 वर्ष सत्ता शीर्ष पर रहने के अवसर पर उनके जन्मदिनस 17 सितम्बर से 17 अक्तूबर तक देश भर में मुख्य 13 बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसका मूल स्वर है, सेवा संकल्प अभियान। अगर इन कार्यक्रमों पर आप सरसरी दृष्टि भी डालें तो सामर्र्दिय जाएणा कि भाजपा समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। 17 अक्तूबर को समापन के अवसर पर पंचायत से लेकर संसद तक के जनप्रतिनिधियों का एक विशाल सम्मेलन आयोजित होगा, जिसे स्वयं प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे। उन्होंने अपने जन्म स्थान बडनगर से वाराणसी और वाराणसी से बडनगर जाने वाली यात्रा में शामिल कार्यक्रमताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संबोधित किया, कहा कि राजनीति केवल चुनाव नहीं है। सभी कार्यकर्ताओं को सामाजिक कार्य और समाज सुधार में भी लगना चाहिए। यहीं पर नरेंद्र मोदी दूसरी पार्टियों के नेताओं से अलग दिखते हैं। यह अवसर विश्व सहित सबके लिए एक साथ कई बातों पर विचार करने का है। आज वह प्रधानमंत्री हैं, इसलिए सामान्य लग सकता है लेकिन उनके सामने लगभग 1 दशक से ज्यादा ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की गईं, जिनमें लगातार था कि वे मुख्यमंत्री भी रह पाएंगे या नहीं। इसलिए समय इस बात के निष्पक्ष विश्लेषण का भी है कि सारी विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए मोदी ने 25 वर्षों तक मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक रहने का चमत्कार कैसे किया? साथ ही जाने कहां से उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में किस तरह के परिवर्तन आए? 2002 के गुजरात दंगों के बाद उनके विरुद्ध भारत से लेकर विश्व की मीडिया सहित न्यायालयों, मानवाधिकार संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और न जाने कहां-कहां हर स्तर पर अभियान चला। गुजरात दंगों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल ने उनसे 2 दिनों तक 9 घंटे से ज्यादा पूछताछ की। सांसदों के बहुत बड़े वर्ग ने हस्ताक्षर करके अमरीका को लिखा कि नरेंद्र मोदी को वीजा न दिया जाए।



2002 के गुजरात दंगों को लेकर चलाए प्रचंड अभियान का असर इतना था कि कुछ अन्य देशों के सांसदों तक ने उनके विरुद्ध समूह बनाकर अपने देशों में आवाज उठाई। 2004 से 2014 तक केंद्र में मोदी की चार विरोधी काँग्रेस के नेतृत्व वाले यू.पी.ए. का शासन था, जिसका एक बड़ा फ़ैकस किसी तरह मोदी, सघ परिवार और भाजपा को दोगे का दोषी ठहराना था। देश-विदेश दोनों स्तरों पर एक साथ विरोध और राजनीतिक जीवन समाप्त करने के सारे प्रयासों का सामना करते हुए 25 वर्षों तक शासन शीर्ष पर रहना इतिहास की असाधारण घटना है। उच्चतम न्यायालय ने 24 जून, 2022 को नरेंद्र मोदी को गुजरात दंगों के सारे आरोपों से बरी करने का अंतिम फैसला दिया, प्रधानमंत्री बनने के 8 वर्ष बाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी के विरुद्ध प्रतिशोध की भावना से काम नहीं किया, अन्यथा न्यायालय ने कहा था कि मामले को गर्म बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ताओं ने कानून का दुरुपयोग किया. याचिका में गलत दावे दर्शाए गए। न्यायालय ने मामले को सनसनीखेज बनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की अनुशंसा की। 2013 में जब उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू किया, निजी चरित्र पर भी गंदे आरोप लगाए गए। वस्तुतः मोदी ने इन सबको भुलाकर सकारात्मक राजनीति तथा भारत के

अपने सपने को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित रखा है। मोदी ने राजनीति और लोकतंत्र में एए सिरे से लोगों की रुचि पैदा की। उनकी सभाओं में अपार जन समूह उमड़ने लगा जो अतुलनीय था। विरोधियों ने उसका भी मजाक उड़ाया और उसे दिखावा, झूठ आदि साबित करने का प्रयास किया। जिस पार्टी को हिंदी पट्टी और कुछ जातियों का करार देकर आलोचक लंबे-लंबे लेख लिखते थे या विचार प्रकट करते थे वह संपूर्ण देश को पार्टी बन गई। मोदी के कारण यह मिथ भी ध्वस्त हुआ कि देश में बगैर मुस्लिम वोट के किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिल सकता। शासन के स्तर पर मोदी ने लोगों के अंदर विकास की अपेक्षाएं पैदा कीं, नई-नई योजनाएं दीं, जमीन पर उतारने के लिए मौलिक रूप से अलग तरीके से भी काम किया। साथ ही धर्म, सभ्यता-संस्कृति के मूल स्वर को भी-नीतियों में मुखर होकर लाएा किया और करवाया। कभी मुस्लिम समुदाय के समाज सुधार की दृष्टि से एक साथ 3 तलाक के विरुद्ध कानून बन सकता है एवं बक्फ कानून को संशोधित कर न्यायपूर्ण बनाया जा सकता है, इसकी तो



मेघः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।
बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आधार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।
मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घरेलू दायित्वों के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।
कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उडेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। तामसी व गैर कार्यरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।
सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े अयोग्यन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।
कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।
तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुविधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।
वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखरेगी।
धनुः- सम्बन्धों में व्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में एए उत्साह का संचार करेगा।
मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।
कुंभः- अन्तमरुछी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आधार हैं। परिजनों के सुख-दुःख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।
मीनः- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

नवजीवन के प्रतीक स्त्री शक्ति के नौ रूप

नवरात्रि के अंतिम यानी नौवें दिन सिद्धिदात्री की पूजा करने की परंपरा है। ये सभी रिद्धी-सिद्धियों की स्वामिनी हैं। पुराण कथाओं के अनुसार जब दुर्गा के मन में सृष्टि की रचना का विचार उत्पन्न हुआ, तब उन्होंने शिव को उत्पन्न किया। शिवजी ने उत्पन्न होने पर दुर्गा से सिद्धियों की मांग की। शिव को सिद्धियां प्रदान करने के लिए एक अंश से देवी सिद्धिदात्री का जन्म हुआ। जो सभी प्रकार की सिद्धियों की ज्ञाता थीं। बाद में सिद्धिदात्री ने शिव को 18 प्रकार की दुर्लभ, अमोघ और शक्तिशाली सिद्धियां दीं। इनसे ही शिव में अलौकिक शक्तियों का तेज उत्पन्न हुआ। इसके बाद शिव ने विष्णु की और विष्णु ने ब्रह्मा की उत्पत्ति की। ब्रह्मा को सृष्टि रचना का, विष्णु को सृष्टि पालन का और शिव को सृष्टि के संहार का दायित्व सुपुर्द किया।



इसे सती ने शिव का अपमान माना और बिना बुलाए ही यज्ञस्थल पर पहुंच गईं। वहां उन्होंने अपने पिता को शिव को आमंत्रित करने के लिए बाध्य किया। किंतु प्रजापति ने शिव का उपहास उड़ाया और उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया। तब सती ने क्रोधित होकर यज्ञकुंड में कूंदकर प्राणों की आहुति दे दी। शिव को जब सती के प्राण त्यागने का समाचार मिला तो उन्होंने अपने गणों को भेजकर यज्ञ का विध्वंस करा दिया। बाद में शिव सती के जले शव को कंधे पर लेकर भटकते रहे। पुराणों में उल्लेखित है कि इस दौरान सती के अंग बारह स्थानों पर गिरें। उन्हें बारह ज्योतिर्लिंग की मान्यता प्राप्त है। अगले जन्म में यही सती शैलराज हिमालय के घर में पैदा हुईं और शैलपुत्री कहलाईं। उन्हें ही पार्वती कहा जाता है।

विरोधी भी नरेंद्र मोदी से बहुत कुछ सीख सकते हैं

कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। कौन सोचता था कि धारा 370 को कोई सरकार समाप्त करके जम्मू-कश्मीर को भारत के मुख्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के समान धरातल पर ला देगी? सरकारों पकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी से सहमकर सीमा पर आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करती थीं।मोदी ने इस मिथक को भी ध्वस्त कर 3-3 बार सीमा में घुसकर कार्रवाई की, जो संपूर्ण दुनिया को हैरत में डालने वाला था। विदेश नीति में भारत निरप्ट से निकलकर सर्वगुट या अनअलाइन्ड से निकलकर अॉल अलाइंड देश बना। वह रूस के साथ है तो यूक्रेन का भी विरोधी नहीं। उसने ब्रिक्स में ईरान को बुलाया लेकिन इस्राईल और अमरीका से लेकर सऊदी अरब तक से हमारे संबंध हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी का भारत की दृष्टि से सबसे बड़ा योगदान भारतवर्शियों के अंदर अपनी सभ्यता, संस्कृति और भारत को लेकर आत्मविश्वास पैदा करना और जिस देश में हैं उनके प्रति निष्ठा रखते हुए भी भारत से लगाव पैदा करने का है जिसके परिणाम आने शुरू हो गए हैं। विरोधी भले जो कहें लेकिन मोदी भारत के इतिहास में ऐसे प्रधानमंत्री या राजनेता बन चुके हैं, जिनका असर देश-विदेश दोनों स्तरों पर लंबे समय तक कायम रहेगा। विरोधियों के लिए भी थोड़ा ठहरकर विचारने और मोदी से बहुत कुछ सीखने का अवसर है।

उझियानी में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम, कलश यात्रा के साथ भागवत व मानस कथा शुरू



लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा इटावा। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत उझियानी में दो अलग-अलग स्थानों पर हो रही श्रीमद् भागवत कथा एवं रामचरितमानस कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कथा 9 दिन चलेगी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भागवत पंडाल हाईवे के समीप बगिया में श्री गणेश पूजन कलश यात्रा के साथ कथा प्रारंभ हुई। जिसमें सैकड़ो महिलाओं एवं पुरुषों ने पीला वस्त्र धारण कर नगर ध्रमण किया यह कथा 19 अक्टूबर दिन सोमवार को पूर्ण आहुति के साथ संपन्न होगी कथा के सरस कथा वाचक पंडित शिवाकांत तिवारी जी महाराज मजीठ जालौन के द्वारा कथा रसपान कराया जाएगा। इसी तरह रामचरितमानस कथा का आयोजन परमहंस कुटी पर आहुतु की जाएगी जिसमें गणेश पूजन के साथ कलश यात्रा का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया महिलाओं एवं पुरुषों ने पीले वस्त्र धारण कर गांव में जगह-जगह नगर भ्रमण किया गया इस कथा के सरस कथा वाचक पंडित छुन्ना जी महाराज दरबटपुर द्वारा कथा वाचन किया जा रहा है कार्यक्रम में परीक्षित संजय पांडेय ने क्षेत्रीय जनता से अपील की है।कि वह अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 400 से अधिक बच्चों व लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम । भीम नगर स्थित आर्य बाल कल्याण आर्य समाज परिसर में निःशुल्क बाल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 400 से अधिक बच्चों व जरूरतमंद लोगों के स्वास्थ्य जाँच की और उचित उपचार प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान मुंजाल अॉटो की चेयरपर्सन अंजू मुंजाल, आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान श्री धर्मेन्द्र बजाज, रोटरी क्लब गुरुग्राम के प्रधान संजय मल्होत्रा, उत्कृष्ट समर्थता फाउंडेशन की चेयरपर्सन ज्योत्सना बजाज और अमन नारंग, आर्य बाल कल्याण केंद्र के प्रधान अशोक आर्य तथा मंत्री अशोक आर्य शामिल हुए। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने चिकित्सकों की टीम को सम्मानित किया। चिकित्सा शिविर के साथ-साथ बच्चों के लिए पर्यावरण विषय पर एक विशेष ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रचना बजाज, सीमा कपूर, नीलकंठ फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. वीना अरोड़ा, भारत भूषण आर्य, भारत रतन मेहता, सुदर्शन नासा, जयराज वर्मा, सतीश पुल्तानी, बी.बी. सिंह, यट्यूबर आनंद, पंचम चंद आर्य, दयानंद बरिष्ठ, रमेश कमरा और सौरभ आर्य ने अमूल्य सहयोग दिया। राम चंद्र आर्य भी आशीर्वाद देने पहुंचे, जबकि कृष्णा अरोड़ा, सुषमा आर्य, पूनम खरबंदा, बिमल आर्य, ऊषा वर्मा और शशि कपूर ने सहयोग किया।

जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का किया स्वागत एवं अभिनंदन

लोकेश कुमार
गुरुग्राम । गांव दौलताबाद में स्वास्थ्य मंत्री माननीय आरती राव के स्वागत एवं अभिनंदन के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए गांव दौलताबाद और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की सौगात मिलने पर बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव जी ने गांव दौलताबाद स्थित बीएससी को सीएससी में अपग्रेड करने की घोषणा के माध्यम से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। इस निर्णय से गांव दौलताबाद सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन से स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ने और ग्रामीणों को उपचार संबंधी सुविधाओं का अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। सर्वप्रिय त्यागी ने स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती राव जी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि गांव दौलताबाद के स्वास्थ्य केंद्र को सीएससी में अपग्रेड करने का निर्णय क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लेने में सहायता मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने गांव दौलताबाद स्थित बीएससी को सीएससी में अपग्रेड करने की सौगात की। इस स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, भाजपा गुरुग्राम के संगठन पदाधिकारी, पार्टी कार्यकर्ता तथा गांव दौलताबाद के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव जी का स्वागत किया और स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड करने की सौगात पर प्रसन्नता व्यक्त की।

महाराजपुर ओवरब्रिज पर पिकअप ने कार को टक्कर मारी

कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर हादसा, दंपती समेत चार घायल, महिला की हालत गंभीर

नरवल,एजेंसी। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 11:30 बजे कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे स्थित महाराजपुर ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार पिकअप ने एक कार में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार दंपती समेत चार लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सरकारी जीप से सरसौल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर जिले के जहानाबाद निवासी तिलक सिंह (36) पुत्र धर्मपाल ने बताया कि वह कानपुर के बर्रा स्थित दामोदर नगर में किराये के मकान में रहते हैं। रविवार को वह अपनी वैगनआर कार से बर्रा से फतेहपुर के चौड़ारा में रहने वाले रिश्तेदार के घर जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी रुबी देवी (30), बेटी अनिष्का यादव (12) और बेटा आयांश (9) भी सवार थे। बताया गया कि महाराजपुर ओवरब्रिज पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार सवार चारों लोग घायल हो गए, जबकि पिकअप हाईवे पर पलट गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा।

महिला ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप, एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
इटावा। जनपद इटावा में एक महिला ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने, अभद्रता करने, कपड़े फाड़ने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ज्योति पत्नी सावन, निवासी मकान नंबर-4, नौरंगाबाद, इस्लामिया स्कूल के पीछे, थाना कोतवाली, जनपद इटावा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पीड़िता की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, घटना 5 अक्टूबर 2026 की बताई गई है। महिला का आरोप है कि वह अपने परिवार के साथ घर पर थी, तभी शालू अली, बादशाह उर्फ साहिल और उनके साथ आए अन्य लोग उसके घर पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान विपक्षी पक्ष के लोगों ने



एकजुट होकर उसके साथ गाली-गालीज और मारपीट की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की गई और कपड़े भी फाड़ दिए गए। महिला का यह भी

कहना है कि बीच-बचाव करने आए उसके पति के साथ भी मारपीट की गई। आरोपियों ने उसके पति का मोबाइल फोन तोड़ दिया तथा स्कूटी की चाबी छीनकर वाहन को नुकसान पहुंचाया। पीड़िता ने

आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप पीड़िता के अनुसार, घटना के

बाद वह थाना हाजा पहुंची, जहां उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। हालांकि, महिला का आरोप है कि शिकायत के बावजूद अभी तक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। इससे परेशान होकर उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा से मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में महिला ने आरोप लगाया है कि संबंधित लोगों की ओर से उसके परिवार को लगातार भयभीत किया जा रहा है। उसने अपने पति और परिवार की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई है।

एसएसपी से मुकदमा दर्ज कराने की मांग

पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में शालू अली समेत अन्य नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी

शामिल किए गए हैं। फिलहाल, यह मामला पीड़िता की ओर से लगाए गए आरोपों और पुलिस अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित है। आरोपों की सत्यता, पुलिस की कार्रवाई और मामले में मुकदमा दर्ज होने की स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। संबंधित पुलिस अधिकारियों का पक्ष मिलने पर खबर को अपडेट किया जा सकता है।इंन, पप्पू खां, अनवार राईन, पप्पन रावत, सतीश कुमार, मुन्ना चौहान, बीरू दोहरे और लला ठाकुर ने जिलाधिकारी (छरू) इटावा से लखना सब्जी मंडी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। व्यापारियों ने मांग की है कि पूरी सब्जी मंडी को चारों ओर से बाउंड्री वॉल से बंद कराकर मुख्य द्वारों पर गेट लगवाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अराजकता या हादसों पर रोक लगाई जा सके।

भव्य पंडालो में गाजे बाजे के साथ हुई देवी प्रतिमाओं की स्थापना

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा । रविवार से शुरू हुई नवरात्रि के अवसर पर महेवा एवं आसपास के क्षेत्रीय गावों में देवी प्रतिमाओं की स्थापना भव्य पंडालो में गाजे बाजे के साथ हुई वही विधि विधान से कलश यात्रा निकालकर कलश की स्थापना पंडालों में की गई |कस्बा महेवा में हर वर्ष की भांति पुराने डाकघर के सामने सुरेश दुबे के आवास पर देवी स्थापना की गई वहीं सब्जी



मंडी पास भी देवी पंडाल सजाकर कलश स्थापना हुई वही क्षेत्र के ग्राम बहेड़ा में कपोजिट विद्यालय के पास भव्य रूप से पंडाल सजाकर धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई |त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी शामिल किए गए हैं|फिलहाल, यह मामला पीड़िता की ओर से लगाए गए आरोपों और पुलिस अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित है। आरोपों की सत्यता, पुलिस की कार्रवाई और मामले में मुकदमा दर्ज होने की स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। संबंधित पुलिस अधिकारियों का पक्ष मिलने पर खबर को अपडेट किया जा सकता है।इंन, पप्पू खां, अनवार राईन, पप्पन रावत, सतीश कुमार, मुन्ना चौहान, बीरू दोहरे और लला ठाकुर ने जिलाधिकारी (छरू) इटावा से लखना सब्जी मंडी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। व्यापारियों ने मांग की है कि पूरी सब्जी मंडी को चारों ओर से बाउंड्री वॉल से बंद कराकर मुख्य द्वारों पर गेट लगवाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अराजकता या हादसों पर रोक लगाई जा सके।

स्वास्थ्य कैंप में मरीजों की जांच कर,किया गया दवा वितरण



लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। विकास खंड क्षेत्र महेवा के ग्राम लुधियानी में स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया जहां मरीजों की जांच कर दवा वितरण भी किया गया । विदित हो कि ग्राम लुधियानी में पिछले कई दिन से बुखार ,वायरल बुखार आदि के फैलने की सूचना पर अधीक्षक स्वास्थ्य केंद्र महेवा डॉ अभिषेक वर्मा के निर्देशन में पहुंची टीम ने मरीजों की जांच की तथा दवा दी टीम में शामिल डॉ शशिकांत ,फार्मासिस्ट दयाशंकर ,आशु ,अभिषेक ,भोले तिवारी आदि शामिल रहे।

लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज के चार छात्रों का मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ चयन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। स्थानीय कस्बा महेवा स्थित लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज के चार छात्रों का मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन हुआ जो कि कानपुर स्थित हरसहाय जगदम्बा इंटर कालेज पी रोड में शामिल होकर भाग लेंगे । उक्त आशय की जानकारी देते हुए कालेज के पी टी आई बुजेश रावत ने बताया कि इटावा जिला मुख्यालय स्थित ज्योतिबा फुले स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालयीय क्रिकेट प्रतियोगिता में महेवा स्थित लोकमान्य रूरल इंटर कालेज के दो छात्र हसनैन एवं आदर्श बाबू जूनियर वर्ग अंडर 17 में तथा आशीष एवं सम्राट सिंह का चयन सीनियर वर्ग अंडर 19 में चयन हुआ जो कि चारो छात्र कानपूर में जाकर भाग लेंगे । सभी सफल छात्रों को कालेज प्रबंधन समिति तथा स्कूल स्टाफ ने बधाई दी है।

रेलवे क्राॅसिंग पर ट्रेन की चपेट में आया मजदूर गंभीर रुप से घायल, हैलट अस्पताल रेफर

चाणक्यपुरी, कानपुर,एजेंसी। सुजातगंज रेलवे क्राॅसिंग पर शनिवार को एक हादसा हो गया। ट्रेन की चपेट में आने से एक मजदूर गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी पैदा गई। जानकारी के अनुसार, कृष्णा नगर निवासी जगदीश राय रूमा स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। वह अपनी बाइक से सुजातगंज रेलवे क्राॅसिंग पार कर रहे थे, तभी अचानक ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गए। हादसे में जगदीश राय गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी बाइक भी टूट गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल मजदूर को कांशीराम अस्पताल भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए उन्हें हैलट अस्पताल रेफर कर दिया है, जहां उनका इलाज जारी है।



रामस्वरूप, अनिल कुमार पुत्र वीरेन्द्र, सुधीश पुत्र सोनेलाल, सुरेन्द्र पुत्र रघुनाथ और सुनील पुत्र श्रीकृष्ण की दुकानें और उनमें रखा सारा सामान जल गया। पीड़ित दुकानदारों ने प्रशासन से इस पूरी घटना की जांच कराने और मुआवजे की मांग की है।मंडी के व्यापारियों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे महज दो दिन पूर्व भी अनुज पुत्र रामसिंह की सब्जी दुकान में रहस्यमयी तरीके से आग लग गई थी, जिसमें उनकी क्रेटें और हरी सब्जियां जल चुकी थीं। इसके अलावा, वर्ष 2017 में भी इसी सब्जी मंडी में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लगी थी, जिसमें लगभग एक दर्जन दुकानें

जलकर राख हो गई थीं। बार-बार हो रही इन घटनाओं से व्यापारियों में गहरा आक्रोश और डर का माहौल है।घटना के बाद सब्जी आढ़ती अमृत लाल कुशवाहा, चन्द्रशेखर कुशवाहा, बबलू राईन, पप्पू खां, अनवार राईन, पप्पन रावत, सतीश कुमार, मुन्ना चौहान, बीरू दोहरे और लला ठाकुर ने जिलाधिकारी इटावा से लखना सब्जी मंडी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। व्यापारियों ने मांग की है कि पूरी सब्जी मंडी को चारों ओर से बाउंड्री वॉल से बंद कराकर मुख्य द्वारों पर गेट लगवाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अराजकता या हादसों पर रोक लगाई जा सके।

औद्योगिक श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए आरसीजीपी व जीआईए आए साथ

स्वास्थ्य जांच, कैंसर स्क्रीनिंग, महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास पर रहेगा विशेष जोर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम । औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ गुडगांव प्रीमियर (आरसीजीपी) और गुडगांव इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) के बीच एक महत्वपूर्ण साझा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों संगठनों ने आपसी समन्वय से औद्योगिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सामाजिक विकास और जनकल्याणकारी गतिविधियों को चलाने पर सहमति व्यक्त की। इस संयुक्त पहल के तहत श्रमिक परिवारों और स्थानीय युवाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कई योजनाएं निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर, महिला स्वास्थ्य एवं कैंसर जांच, महिला सशक्तिकरण व बाल विकास के लिए पहल, कौशल विकास सेंद्र आदि पहल शुरू की जाएंगी। बैठक में रोटरी क्लब आफ गुडगांव प्रीमियर की अध्यक्ष नेहा ए. बंसल, अस्तिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन अभिनव बंसल, सचिव यश पाहुजा और पब्लिक इमेज चेयर गुंजन मेहता उपस्थित रहे। रोटरी क्लब की अध्यक्ष नेहा ए.



बंसल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र देश की आर्थिक प्रगति का मुख्य आधार है, इसलिए श्रमिकों और उनके परिवारों का स्वास्थ्य व सामाजिक उन्नयन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। रोटरी का उद्देश्य सेवा कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और जीआईए के साथ यह साझेदारी इस दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। पब्लिक इमेज चेयर गुंजन मेहता ने कहा कि उद्योगों की

वास्तविक प्रगति सिर्फ उत्पादन से नहीं, बल्कि श्रमिकों के बेहतर जीवन स्तर से तय होती है। उन्होंने कहा कि जीआईए जैसे प्रतिष्ठित संगठन के साथ मिलकर इन जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने इस संयुक्त पहल को आकार देने में रोटेरियन गुंजन मेहता के विशेष प्रयासों की सराहना की।

महाराजा अग्रसेन के पदचिन्हों पर चलकर हो सकता है समाज का कल्याण : विपुल गोयल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम । केंद्र व प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चलकर जनकल्याण के कार्य कर रही है। महाराजा अग्रसेन ने जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए एक रुपया एक ईंट अभियान शुरू किया था। उसी सिद्धांत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपना रहे हैं। उक्त विचार प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन एवं अग्रवाल सभा द्वारा अग्रवाल भवन में आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हर वर्ग के गरीब तथा जरूरतमंद करोड़ों लोगों को विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं से न केवल स्वावलंबी बनाया है, अपितु समाज में सम्मान भी बढ़ाया है। महाराजा अग्रसेन के पदचिन्हों पर चलकर समाज का कल्याण हो सकता है। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल तथा अग्र बंधुओं ने गुरुग्राम में एक चैरिटेबल अस्पताल खोलने की मांग रखी तो मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि आप स्थान चिन्हित कर लें। पूरा प्रयास किया जाएगा कि अस्पताल शुरू हो सके। मंत्री ने कवि सम्मेलन के लिए आए चारों कविगणों व स्थानीय अग्रवाल-वैश्य नेताओं को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। जिला प्रधान डा. मनदीप गोयल तथा पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल आदि ने विपुल गोयल को भी सम्मानित किया। प्रधान डा. मनदीप गोयल ने कहा कि सम्मेलन में पधारे गणमान्य बंधुओं तथा मंत्री विपुल गोयल का अभिनंदन करते हुए गौरवचक्र महसूस कर रहा हूं। आप लोगों के मार्ग दर्शन से समाज को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आग्रह किया कि अग्रसेन के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा में अग्रवाल समाज की आवाज को मंत्री जी जोर-शोर से उठाते हैं तथा समाज की समस्या के समाधान व सुविधाएं दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।



श्रेया घोषाल और सोनू निगम की आवाज में लौटा रोमांस

‘प्रहार’ के गाने ‘तुझ में बसी मेरी जान’ ने बांधा समां



प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल और सोनू निगम एक बार फिर अपनी आवाज का जादू बिखेरने के लिए साथ आए हैं। दोनों ने आने वाली फिल्म ‘प्रहार – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम’ के रोमांटिक गाने ‘तुझ में बसी मेरी जान’ को अपनी आवाज दी है। प्यार, साथ और रिश्तों की खूबसूरती को बयां करता यह गाना फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की शादी के सीक्वेंस के साथ दिखाया गया है। श्रेया और सोनू दोनों ही गाने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह गाना प्यार के उन छोटे-छोटे पलों को खूबसूरती से पेश करता है, जो किसी भी रिश्ते को खास बनाते हैं। श्रेया ने कहा, ‘तुझ में बसी मेरी जान’ प्यार, साथ, और उन छोटे-छोटे पलों का खूबसूरत जश्न है, जो किसी रिश्ते को खास बनाते हैं। इस गाने में एक गर्मजोशी और रोमांस है। मुझे अपनी आवाज के जरिए उस एहसास को सामने लाना बहुत अच्छा लगा। सोनू निगम के साथ गाना हमेशा एक अलग तरह का संगीत अनुभव होता है और इस गाने के साथ भी ऐसा ही रहा।’ उन्होंने कहा, ‘पद पर राजकुमार राव और वामिका गब्बी की केमिस्ट्री और उनकी शादी के पलों ने गाने को और खास बना दिया। मुझे उम्मीद है कि जब दर्शक इस गाने को सुनेंगे, तो उन्हें भी वही खुशी और अपनापन महसूस होगा।’ सोनू निगम ने कहा, ‘श्रेया घोषाल के साथ दोबारा काम करना शानदार अनुभव रहा। उनकी आवाज गाने में एक खास संवेदनशीलता लेकर आती है। हमने मिलकर कुछ ऐसा बनाने की कोशिश की है, जो लंबे समय तक दिलों में रहे और सीधे दिल को छुए।’ सोनू निगम ने राजकुमार राव और वामिका गब्बी की केमिस्ट्री की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘दोनों कलाकारों की पद पर मौजूदगी गाने की भावनाओं के साथ खूबसूरती से मेल खाती है। मुझे उम्मीद है दर्शकों को गाना उतना ही पसंद आएगा, जितना इसे बनाने समय मुझे और श्रेया को अच्छा लगा।’ टी-सीरीज की ओर से पेश किए गए इस गाने में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के शादी के सीक्वेंस के जरिए प्यार, अपनापन और खुशी को दिखाया गया है। गाने का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने में मराठी बोल अमेय दयाल ने लिखे हैं। ‘प्रहार – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम’ का निर्माण दिनेश विजान और मेडॉक फिल्म्स ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि इसका निर्देशन अविनाश अरुण धवारे ने किया है। फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर को लेकर दिे बयान पर दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने हाल ही में नाना पाटेकर को लेकर दिए गए एक बयान पर अपनी

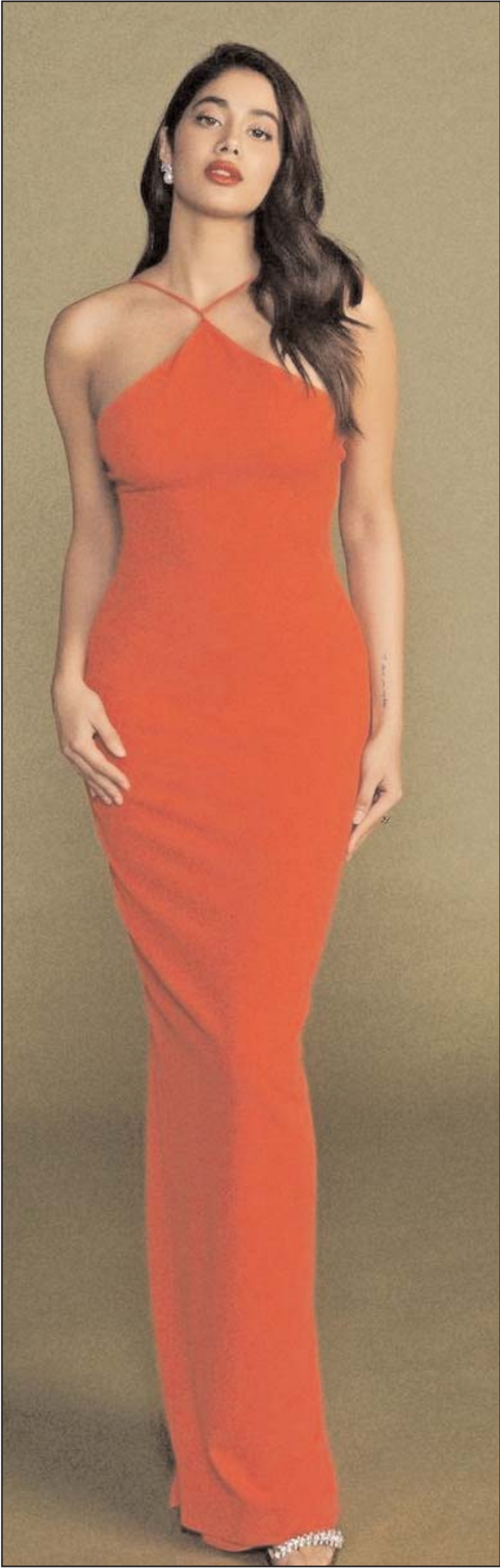


प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आईएनएस के साथ बातचीत में ‘मीटू’ आंदोलन के दौर को याद किया। तनुश्री ने कहा कि उस कठिन समय में वे जिन परिस्थितियों से गुजरीं, उसका दर्द कोई नहीं समझ सकता। उनके इस बयान ने नाना पाटेकर से जुड़े पुराने विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। अभिनेत्री ने नाना पाटेकर को लेकर दिए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ‘मेरे लिए तो वे ‘ड्रविल डेड’ ही हैं। पिछले पांच साल में मैं जिस दौर से गुजरी हूँ और जिन परेशानियों का सामना किया है, उसे कोई नहीं समझ सकता।’ अभिनेत्री ने मीटू केस के दौरान हुई परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा, ‘उस समय जो केस चल रहा था। आपको पता है कि केस वापस लेने के लिए मुझ पर कितना दबाव डाला गया था। मुझे लालच दिया गया और धमकियां मिलीं, लेकिन फिर भी मैंने केस वापस नहीं लिया। फिर, बाद में परेशान करने के लिए मेरी गाड़ी के साथ हादसे करवाने से लेकर फूड पॉइजनिंग कराने तक की कोशिश की गई। मैं जिन चीजों से गुजरी हूँ, मेरे लिए तो वह ड्रविल डेड ही हैं। जो इंसान इस तरह की परिस्थिति से गुजरा ही नहीं उसे क्या पता। हर किसी की परिस्थिति अलग होती है। मैंने, तो अपने नजरिए से बातें बोली हैं।’ अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बताया कि प्राइम विटनेस को तैयार करने में उन्हें 5 साल लगे और बाद में केस बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा, ‘नाना पाटेकर ने केस को बंद करवाया था। सारे सबूत हमारे पास थे, जिस दिन हमारे मेन विटनेस का सबूत कोर्ट में पेश होने वाला था, उसी दिन जज ने केस ही बंद कर दिया। आप सोचिए, हमें एक प्राइम विटनेस (हेयर ड्रेसर) को मनाने में पांच साल लग गए थे। क्योंकि उसको धमकियां आती थीं। हालांकि, उसने फिर भी हलफनामा कोर्ट में दे दिया था। बाद में कोर्ट आकर बयान दिया है कि मैंडम जो भी बोल रही हैं, वह मैंने अपनी आंखों से देखा है। पांच साल लगे उस हेयर ड्रेसर को मनाने में।’ अभिनेत्री ने बताया कि उनकी हेयर ड्रेसर को कोर्ट में न पेश होने के लिए अलग-अलग जगह से धमकियां आती थीं।

सच में मौत हुई या बचने का कोई तरीका था

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर की मौत पर शक जताया है। उन्हें लगता है कि कहीं यह दिग्गज एक्टर जांच से बचने और बेनकाब होने से बचने का तरीका तो नहीं है। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियन की मौत की चल रही जांच का जिक्र करते हुए इसकी तुलना की। मीटू मूवमेंट के दौरान नाना पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम लाइव पर अपने फैंस से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। हालांकि, अपने पुराने अनुभवों और उन पर लगाए गए आरोपों को याद करते हुए तनुश्री ने सवाल उठाया कि क्या उनकी मौत के बाद कुछ सवाल बिना जवाब के ही रह जाएंगे। उन्होंने कहा, सबसे अच्छी बात यह है कि उनकी मौत खुद उनके ही हाथों हुई। अगर उनकी मौत हुई भी है, तो भी मुझे थोड़ा शक है क्योंकि अब सुशांत सिंह और दिशा सालियन का मामला सामने आया है इसलिए, बहुत से लोग बेनकाब हो रहे हैं और बहुत गहरी जांच चल रही है। तो, अगर दूर-दूर तक भी कोई कनेक्शन है, तो आज या कल उनका नाम सामने आ ही जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मुझे थोड़ा शक है कि क्या सच में उनकी मौत हुई है या वह बचने का कोई तरीका है। कुछ भी हो सकता है। लेकिन अगर सच में उनकी मौत हुई है, तो एक बहुत बड़ा शैतान किस्म का इंसान इस दुनिया से चला गया है। जानकारी के लिए बता दें कि तनुश्री ने 2008 की फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के सेट पर एक्टर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

नाना ने इन आरोपों से इनकार किया था। बातचीत के दौरान, तनुश्री ने नाना पर आरोप लगाने के बाद जिन मुश्किलों का सामना किया, उनके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नाना पाटेकर समेत कई लोगों पर उनके करियर को नुकसान पहुंचाने, उन्हें मानसिक परेशानी देने और उनकी निजी जिंदगी में मुश्किलें पैदा करने का आरोप लगाया। जिस



यौन कुंठा से डिप्रैशन का शिकार हो रहे लोग!

हाल ही में पुरुषों और औरतों के यौन स्वास्थ्य को लेकर एक रिपोर्ट में सामने आया कि देश के अनेक पुरुषों और औरतों में यौन कुंठग्रस्त होने के केसों में तेजी से इजाफ़ हो रहा है। यह एक टेबू (खुल कर बात न किए जाना वाला) विषय है। ऐसे विषय पर बात करने के लिए थोड़ी बेबाकी की जरूरत होती है, क्योंकि इससे संबंधित पुरुष और औरत की सामाजिक और पारिवारिक ज़िंदगी भी प्रभावित होती है। इस कारण भी आधुनिक समाज की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे मुद्दों पर खुल कर बात होनी चाहिए। औरत हो या मर्द, यौन कुंठग्रस्त होना एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जब व्यक्ति को यौन इच्छाएं और वास्तविकता के बीच असंतुलन होता है, यानी उसकी यौन जरूरतें या अपेक्षाएं पूरी नहीं हो पातीं। यौन कुंठ वह अनुभव है, जब आपको वह यौन संतुष्टि नहीं मिलती, जिसकी आपको आवश्यकता या इच्छा होती है। चाहे कोई अविवाहित हो, किसी रिश्ते में हो, विवाहित हो, यौन संबंध कई लोगों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब यौन जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो इससे उत्पन्न निराशा आपके मूड, आपके रिश्तों और आपके समय स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। यहां तक कि यौन संबंध की कमी वास्तव में अवसाद यानी डिप्रेशन का कारण बन सकती है। यौन कुंठ की शुरुआत अंतरंग जीवन में असंतोष से हो सकती है। माना जाता है कि यौन गतिविधि तनाव हार्मोन को कम करती है। यौन कुंठ से कुछ लोगों में अकेलेपन, निराशा और भावनात्मक अलगाव की भावना बढ़ जाती है। यौन कुंठ के बारे में सबसे आम गलत धारणाओं में से एक यह है कि यह मुख्य रूप से अविवाहित लोगों को प्रभावित करती है। वास्तव में, प्रतिबद्ध संबंधों में रहने वाले लोग भी इससे उतना ही जूझ सकते हैं। रिश्तों में यौन कुंठ भावनात्मक



जुड़ाव और आत्मसम्मान को भी कमजोर कर सकती है। इन चुनौतियों का सामना कर रहे जोड़ों के लिए प्रभावी संचार सबसे महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। कभी-कभी यौन कुंठ का कारण रिश्ते की गतिशीलता ही होती है। एक ऐसा साथी, जो यौन प्रदर्शन को लेकर अत्यधिक आलोचनात्मक हो, या जो कठोर और अवास्तविक अपेक्षाएं रखता हो, ऐसा माहौल बना सकता है जहां यौन संबंध जुड़ाव का स्रोत होने की बजाय एक परीक्षा जैसा लगने लगे। मनोविज्ञानी कहते हैं कि इस क्षेत्र में लगातार आलोचना मिलने से आत्म-

ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।

क्या जान्हवी कपूर अपना ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी में हैं?

एट्रेस की लेटेस्ट पोस्ट ने बढ़ाई अटकलें

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ हैं। साथ ही, उनके हाथों में दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे सामने नहीं आई है। जान्हवी ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद की तैयारी कर रही है। हालांकि, टीम की ओर से इस बारे में कोई गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह मेकअप पर फोकस किया गया है, और हवा दे दी है। दिलचस्प बात समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।

एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया की अटकलें तेज हो गई हैं। इस एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी में फिलहाल कोई जानकारी की इस पोस्ट ने फैंस और है। कई लोग कयास लगा रहे का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने अभी तक जान्हवी या उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और उसने इन अटकलों को यह है कि यह चर्चा ऐसे कपूर हाल ही में पेरिस लेकर सुर्खियों में थीं। प्रतिनिधित्व करने से अपनी पहचान बनाने तक, मौजूदगी मजबूत कर रही है। तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



जब ‘जूली’ की शूटिंग के दौरान नेहा धूपिया की मां का ध्यान रखते थे संजय कपूर

इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों फिल्म ‘जूली’ की शूटिंग से किया। उन्होंने बताया कि उस शूटिंग सेट पर मौजूद रहती कमरे से बाहर नहीं आती थीं। संजय कपूर उनकी मां का खास उन्हें सहज महसूस कराने की दरअसल, संजय कपूर और कपूर हाल ही में नेहा धूपिया और ‘डबल डेट’ में शामिल हुए। इस फिल्म ‘जूली’ की शूटिंग के दिनों और बताया कि कैसे संजय कपूर और निर्माता के साथ काम संभालने के उनकी मां का भी ध्यान रखते थे। नेहा ‘‘मेरी मां सेंट पर आती थीं, लेकिन कमरे से बाहर नहीं निकलती थीं। ऐसा कि उन्हें कोई बुलाता नहीं था। उन्हें इनवाइट की जरूरत भी नहीं थी। बात वह चाहती थी कि मैं अपने काम पर पूरा उन्होंने आगे बताया कि संजय कपूर इस को सहज महसूस कराने में काफी मदद कहा, ‘‘संजय बहुत अच्छे थे। वह निर्माता के साथ काम संभालने के साथ-पास भी जाते थे और उन्हें सहज वह इन सबके बीच बहुत अच्छी तरह थे।’’ नेहा और संजय इससे पहले सिटी अंडर थ्रेट’ में भी साथ काम फिल्म की बात करें, तो यह फिल्म रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन किया था, जबकि एन. आर. निर्माता थे। फिल्म में नेहा साथ प्रियांशु चटर्जी, यश और अचिंत कौर भी अहम आए थे। फिल्म की एक प्रभावशाली कारोबारी और जूली के इर्द-गिर्द घूमती है। मिहिर को जूली से प्यार हो जाता है, जो वेश्यावृत्ति के पेशे से जुड़ी होती है। जब मिहिर उससे शादी करने का प्रस्ताव रखता है, तो जूली अपने अतीत और पेशे को लेकर असमंजस में पड़ जाती है। उसे समझ नहीं आता कि वह मिहिर के प्रस्ताव को स्वीकार करे या नहीं।



अभिनेत्री नेहा धूपिया ने फिल्म को याद करते हुए साल 2004 में आई जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा दौर में उनकी मां अक्सर थीं, लेकिन अपने इस दौरान अभिनेता ख्याल रखते थे और कोशिश करते थे। उनकी पत्नी महीप अंगद बेदी के शो दौरान नेहा ने को याद किया निर्देशक अलावा ने कहा, वह कभी नहीं था किसी के बस इतनी थी कि ध्यान दे सकूँ।’’ दौरान उनकी मां करते थे। नेहा ने निर्देशक और साथ मेरी मां के महसूस करते थे। तालमेल बिठाते फिल्म ‘कयामत: कर चुके हैं। ‘जूली’ साल 2004 में दीपक शिवदासानी ने पंचिसिया इसके धूपिया के टैंक, संजय कपूर भूमिकाओं में नजर कहानी मिहिर नाम के

टाई मुकाबलों के बादशाह



नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिकेट के इतिहास में टाई वनडे मैच हमेशा से ही बेहद रोमांचक और दिल दहला देने वाले रहे हैं। ये वे मुकाबले होते हैं जहाँ हार और जीत के बीच का अंतर बिलकुल खत्म हो जाता है, और खिलाड़ी दबाव में अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। इन यादगार मुकाबलों में बल्लेबाजों ने अपनी सूझबूझ

और कौशल से महत्वपूर्ण रन बटोरे हैं, जिसने इन मैचों को बराबरी पर समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे ही कुछ धुरंधर बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज शाई होप पहले पायदान पर काबिज हैं, जिन्होंने अपनी शांत और संयमित बल्लेबाजी से कई बार अपनी टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला

है। शाई होप ने साल 2016 से लेकर 2025 तक (यह अवधि संभवतः उनके संभावित भविष्य के प्रदर्शन को भी परिकल्पित करती है या एक सांख्यिकीय अवलोकन है) खेले गए चार टाई वनडे मुकाबलों की चार पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए कुल 324 रन बटोरे हैं। इन मुकाबलों में उनका उच्चतम स्कोर नाबाद

भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्डतोड़ हफ्ता: विराट कोहली के पाँच बड़े कीर्तिमान ध्वस्त

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शुमार विराट कोहली, जिन्होंने 2024 में टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, उनके नाम कई ऐसे बेमिसाल रिकॉर्ड दर्ज हैं जिन्हें तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। कोहली ने अपने करियर में निरंतरता और असाधारण प्रदर्शन से ऐसे मानक स्थापित किए थे, जो अक्सर अजेय लगते थे। हालाँकि, पिछले एक हफ्ते में भारतीय क्रिकेटर्स ने अपने शानदार प्रदर्शन से कोहली के पाँच बड़े टी20 रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर एक नया

इतिहास रच दिया है, जिसने भारतीय क्रिकेट की गहरी प्रतिभा को उजागर किया है और टीम के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की है। यह सप्ताह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अविस्मरणीय कालखंड बन गया है। सबसे पहले, कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में कुल 334 रन बनाए, जिसमें दो शानदार शतक शामिल थे। इस अद्भुत प्रदर्शन के साथ, वह तीन मैचों की वनडे सीरीज में 300 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा

डारबन,एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकार्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का। ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही। रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब पारी



संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पैट कर्मिस के

साथ भी कुछ अहम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकॉर्ड बनाने में भी सहायता की।

व्यापार

म्यूचुअल फंड्स: इक्विटी मल्टीकैप में निवेश कितना फायदेमंद 6 महीने में 20प्रतिशततक का रिटर्न, आपने देखा

नई दिल्ली,एजेंसी। शेयर बाजार से लेकर म्यूचुअल फंड्स तक, देश में कई सारे तरीके या साधन हैं, जिसके जरिए लोग अपने पैसों का निवेश करते हैं और समय के साथ अच्छा-खासा रिटर्न पाते हैं। इस बीच हम यहां बात इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड की कर रहे हैं। यह म्यूचुअल फंड्स की एक कैटेगरी है। एक्सपर्ट बताते हैं कि जब आपको पहली बार एसआईपी के जरिए या ऐसे कोई भी निवेश शुरू करनी हो तो आप इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड से कर सकते हैं। आखिर यह इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड क्या है और निवेशकों के लिए



यह कितना फायदेमंद रहा है, आइए इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही हम यहां तीन इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड्स को भी देखेंगे और उनके द्वारा बीते 3 महीने, 6 महीने से लेकर के पांच साल तक के कुछ रिटर्न पर भी नजर डालेंगे।

इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड क्या है: सबसे पहले बात करते हैं कि इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड क्या है। यह एक म्यूचुअल फंड की कैटेगरी है, जो बाजार रेगुलेटरी सेबी के नियमों का पालन करती है। इसके तहत इक्विटी मल्टीकैप म्यूचुअल फंड के पैसों के कम से कम 25-25% हिस्से को शेयर बाजार के लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश किया जाता है। बाजार के उतार-चढ़ाव की स्थिति में यह फंड निवेशकों को अन्य कैटेगरी की तुलना में अधिक सुरक्षित रख सकता है।

एक्सिस मल्टीकैप फंड ने कितना

रिटर्न दिया है: शुरुआत हम एक्सिस मल्टीकैप फंड से करते हैं। इसने अपने निवेशकों को बीते तीन महीने में 3.2 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, 6 महीने में इसका रिटर्न 20.1 प्रतिशत का रहा है। एक साल में एक्सिस मल्टीकैप फंड ने 8.4 फीसदी तो तीन साल में 17.4 फीसदी का रिटर्न दिया है।

कोटक मल्टीकैप फंड ने 6 महीने में कितना रिटर्न दिया: अब बात कोटक मल्टीकैप फंड की। इसका तीन महीने का रिटर्न निगेटिव यानी नुकसान वाला रहा है। इससे करीब 1.4 फीसदी का नुकसान हुआ

है। वहीं, बीते 6 महीने में इस फंड ने अपने निवेशकों को 12.7 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल में कोटक मल्टीकैप फंड ने 2.6 फीसदी तो तीन साल में 14.5 फीसदी का रिटर्न दिया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टीकैप फंड का रिटर्न कैसा रहा है: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टीकैप फंड ने अपने पात्र निवेशकों को बीते 6 महीने में 15 फीसदी का रिटर्न दिया है।

हालाँकि, तीन महीने में इसका भी रिटर्न निगेटिव रहा है और निवेशकों को 3 फीसदी का नुकसान हुआ है।

टाटा की यह धाकड़ कंपनी फिर ट्रेड करेगी ई-डिविडेंड, हर शेयर पर 12 रुपये का फायदा चेक करें रिकॉर्ड डेट

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस लिमिटेड ने निवेशकों के लिए फिर से डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने इस बार एक शेयर पर 12 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है। बता दें, कंपनी ने दो बार निवेशकों को बोनस शेयर भी दिया है।

किस दिन है रिकॉर्ड डेट : टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड ने दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर पर 12 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 14 अक्टूबर की

तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। इससे पहले कंपनी के शेयर 15 जुलाई को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब भी एक शेयर पर कंपनी ने 12 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया था। मई में भी कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर चुकी थी। तब हर एक शेयर पर 31 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को मिला था। इसी साल जनवरी में कंपनी ने एक शेयर पर 57 रुपये का डिविडेंड दिया गया था।

दो बार बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी : इस

कंपनी ने निवेशकों को अबतक दो बार बोनस शेयर दिया है। पहली बार कंपनी ने 2009 में बोनस शेयर दिया था। तब एक शेयर पर एक शेयर बोनस मिला था। दूसरी बार कंपनी ने 2018 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। इस बार कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था।

शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स की क्या राय : ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने टीसीएस के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है।

इस ब्रोकरेज हाउस ने 2630 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

एलन मस्क सुनो, एक्स की ओनरशिप तुम्हें प्रधानमंत्री अंबानी वाले तंज पर ललित मोदी ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली,एजेंसी। स्टारलंक विवाद में संस्थापक ललित मोदी की एंटी हो गई है। उन्होंने भारत सरकार का समर्थन करते हुए एलन मस्क की क्लास लगा दी है। ललित मोदी ने कहा है कि 'एक्स' का मालिक होना मस्क को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर वीटो का अधिकार नहीं देता। उन्होंने मुकेश अंबानी की व्यक्तिगत रूप से निशाना साधने पर भी मस्क को खरी-खोटी सुनाई है। IIPL के संस्थापक ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मस्क की हालिया बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्टारलंक के मुखिया को सीधे संबोधित करते हुए कहा, 'एलन, एक्स की

ओनरशिप आपको भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर वीटो का अधिकार नहीं देती है। मैं भारत सरकार की उस बात का समर्थन करता हूँ जिसमें सैटेलाइट कम्प्यूनिकेशन सर्विस शुरू होने से पहले कड़े सुरक्षा उपायों पर जोर दिया गया है।' सुरक्षा सबसे पहले : ललित मोदी ने आगे लिखा, 'हमारे नागरिकों, उनके डेटा और हमारे जरूरी कम्प्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा सबसे पहले होनी चाहिए। यही नियम हर ऑपरटर पर लागू होने चाहिए, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी।' उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी बिजनेस बनाने और स्थापित सोच को चुनौती देने में बिताई है। मैं महत्वाकांक्षा, इग्नोवेशन

और कॉम्पिटिशन में विश्वास करता हूँ। मेरा यह भी मानना है कि किसी देश में बिजनेस करने के लिए वहां के कानूनों और संस्थाओं का सम्मान करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री अंबानी 'वाले तंज पर साधा निशाना : ललित मोदी ने मस्क के 'प्रधानमंत्री अंबानी' वाले तंज पर भी निशाना साधा। साथ ही नसीहत दी कि मुकेश अंबानी को निजी तौर पर परेशान करना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुकेश अंबानी को व्यक्तिगत रूप से परेशान करना बिल्कुल गलत है। उन्हें 'प्रधानमंत्री अंबानी' कहना कर्नेक्टिविटी या रेगुलेटरी मंजूरी के बारे में किसी गंभीर चर्चा में कोई मदद नहीं करता है।



हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली,एजेंसी। अबू धाबी बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे है। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहाग गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चटगांव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की। आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बॉल्ड कर दिया। इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिटन दास के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलबीडब्ल्यू आउट हुए। मैदानी अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शातो ने तुरंत वि्यू लेने का फैसला किया। वीडियो रीफरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रेकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप्स पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन की इस गेंदबाजी से अफगानिस्तान की पहली पारी में केवल 240 रन ही बना पायी। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, बांग्लादेश ने पहली पारी में 106 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। हसन ने न केवल हैट्रिक ली, बल्कि उन्होंने 5-विकेट हॉल भी पूरा किया, जो उनकी इस अविस्मरणीय उपलब्धि को और भी खास बनाता है।

भविष्य जानने की चाहत, भजन-कीर्तन, भारत की ऐप इकॉनमी में छाया धर्म, 30 करोड़ के इस आंकड़े से समझिए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की ऐप इकॉनमी में धर्म छ़ा गया है। धार्मिक, आध्यात्मिक और ज्योतिष ऐप्स डाउनलोड के आंकड़े इसकी बानगी देते हैं। जनवरी और सितंबर 2026 के बीच इस कैटेगरी में लगभग 30 करोड़ डाउनलोड हुए। ये पूरे 2025 के उनके कम्बाइंड डाउनलोड के आंकड़े को पार कर गया। ज्योतिष ऐप्स के लिए 15 करोड़ डाउनलोड हुए। धार्मिक और आध्यात्मिक ऐप्स के लिए यह आंकड़ा 14.6 करोड़ रहा। यह प्रार्थना, भक्ति सामग्री और ज्योतिष सेवाओं के लिए स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है। टीओआई की एक रिपोर्ट से इसका पता चलता है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म सेंसर टावर ने टीओआई के साथ विशेष रूप से आंकड़े साझा किए। इनके अनुसार, 2026 के पहले नौ महीनों के दौरान ज्योतिष ऐप डाउनलोड में साल-दर-साल 75% की ग्रोथ हुई। इसी अवधि में धार्मिक और आध्यात्मिक ऐप के डाउनलोड में 47% की बृद्धिती देखने को मिली। पूरे 2025 में दोनों श्रेणियों की ओर से रिकॉर्ड किए गए कुल डाउनलोड 24.8 करोड़ से अधिक हो गए। यूजर्स को आकर्षित करते हैं अलग-अलग ऐप यह ग्रोथ अलग-अलग धार्मिक परंपराओं तक फैली हुई है।

एडवांस फ्लाइट बुकिंग पर कम किराया की ट्रिक फेल, जानें अब क्यों आई नई प्राइसिंग स्ट्रेटेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक जमाना था, जब कोई यात्रा से बहुत पहले ही फ्लाइट का टिकट (एडवांस टिकट बुकिंग) बुक कर लेता था, तो उसे कम दाम में ही टिकट मिल जाता था। वहीं, यात्रा के करीब आकर या आखिरी समय में टिकट कराने पर अधिक पैसा लगता था। लेकिन, अब यह मामला बिल्कुल ही अलग हो गया है। आप एक तरह से कह सकते हैं कि पहले फ्लाइट बुक (एडवांस बुकिंग) करो और कम किराया की की ट्रिक अब फेल हो चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार, सालों से, एयरलाइंस आम तौर पर ऐसे ही एक आसान तरीका अपनाती रही हैं, जिसमें जो यात्री जल्दी बुकिंग करते हैं उन्हें कम किराए का फायदा देना और जो आखिरी समय में बुकिंग करते हैं उनसे ज्यादा किराया वसूलना। अब यह फायदा शायद खत्म हो रहा है, क्योंकि धरेलू एयरलाइंस कई महीने पहले से ही किराया ज्यादा रख रही हैं। आइए इसे उदाहरण के साथ समझते हैं।

खत्म हो रहा जल्दी बुकिंग पर मिलने वाला कम किराया: आप एक उदाहरण से समझिए। आप दिल्ली-मुंबई का मुख्य रूट ही ले लीजिए। जो यात्री अगले दिन के लिए फ्लाइट बुक करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें अकासा एयर से 6,200 रुपये, इंडिगो से 6,500 रुपये और एयर इंडिया से 6,900 रुपये का वन-वे इकोनॉमी किराया मिल रहा है।



तीन दिन से धान खरीद न होने के विरोध में कृषि मंत्री के सामने नारेबाजी

राजेंद्र सिंह जादौन
चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल जिले की घरौंडा अनाज मंडी में धान की खरीद में विलंब और नमी के नाम पर कटौती से नाराज किसानों ने रविवार को कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सामने विरोध जताया। मंत्री के मार्केट कमेटी ऑफिस से गाड़ी में बैठते ही किसानों ने भाजपा मुर्दाबाद के नारे लगाए।

किसानों का आरोप था कि वे तीन दिन से मंडी में धान बेचने के लिए बैठे हैं, लेकिन खरीद नहीं हो रही। नमी के नाम पर प्रति क्विंटल 300 से 400 रुपए तक काटे जा रहे हैं। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार का बचाव किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई और माहौल

तनावपूर्ण हो गया।किसान गगनदीप, सोनू और अन्य किसानों ने कहा कि वे तीन दिन से धान बेचने के लिए मंडी में इंतजार कर रहे हैं। खरीद प्रक्रिया में देरी हो रही है। यदि धान खरीदी भी जाती है तो नमी का हवाला देकर प्रति क्विंटल 300 से 400 रुपए तक काट लिए जाते हैं। भाजपा नेता और कार्यकर्ता मंडी में आकर फोटो खिंचवाते हैं और आश्वासन देकर चले जाते हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। उनके मुताबिक, मंडी में राइस मिलर्स की संख्या कम है और खरीद एजेंसियां भी धान की ढेरियों तक समय पर नहीं पहुंच रही हैं। किसानों का दावा है कि 17 प्रतिशत नमी होने के बावजूद धान की खरीद नहीं की जा रही।

किसानों ने कहा कि पहले ही खरीद

में देरी हो रही है और अब बारिश के कारण धान में नमी बढ़ने की आशंका है। इससे फसल बेचने में और परेशानी हो सकती है। करीब 2,000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर धान खरीदी जा रही है और नमी के नाम पर बड़ी कटौती की जा रही है।

गगसीना के एक किसान ने भी आरोप लगाया कि उसकी धान 2,200 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से दो प्रतिशत गई, जिससे उसे नुकसान हुआ। किसानों ने कहा कि अधिकारियों और नेताओं को कार्यालयों में बैठकर स्थिति का आकलन करने के बजाय मंडियों में पहुंचकर खरीद व्यवस्था की वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए।

किसान नेता जगदीप औलख ने कहा कि धान की खरीद में आ रही

दिवक्तों और नमी के नाम पर की जा रही कटौती की जानकारी मंत्रियों और अधिकारियों को है। घरौंडा मंडी में राइस मिलर्स की कमी के कारण भी खरीद प्रभावित हो रही है। 20 प्रतिशत तक नमी वाली धान में नियमानुसार कटौती करीब 75 रुपए प्रति क्विंटल बनती है, जबकि आरोप है कि किसानों से 250 से 300 रुपए तक काटे जा रहे हैं। जब नमी निर्धारित सीमा से दो प्रतिशत अधिक हो तो कटौती के लिए स्पष्ट फार्मूला क्यों नहीं बनाया जाता।किसानों की नारेबाजी के बीच भाजपा कार्यकर्ता निशांत राणा, पवन ढकला और संजय खैची ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सरकार निर्धारित मानकों के अनुसार किसानों की धान खरीद रही है। यदि कोई कम भाव पर फसल

खरीद रहा है तो किसान लिखित शिकायत दें, ताकि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि कुछ मंडियों में लिफ्टिंग धीमी हुई है। इसके पीछे बारिश और राइस मिलरों की हड़ताल भी वजह है। अधिकारियों से बातचीत कर धान के उठान में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी फसल का पूरा भुगतान मिले और किसी किसान का एक दाना भी खरीद से वंचित न रहे। धान की खरीद के बाद चावल भारतीय खाद्य निगम को दिया जाता है। ऐसे में खरीद, मिलिंग और उठान की प्रक्रिया निर्धारित व्यवस्था के तहत होती है। इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

कालका उप मंडल अस्पताल में पहले नवरात्र चार कन्याओं के जन्म पर जश्न

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
चंडीगढ़। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर हरियाणा के पिंजौर स्थित 'हित चैरिटेबल ट्रस्ट' ने एक अनूठी और सराहनीय पहल करते हुए कालका उप-मंडल अस्पताल में पहले नवरात्र पर जन्मीं चार कन्याओं और उनके परिवारों को विशेष रूप से सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने अस्पताल पहुंचकर नवजात बच्चियों को माता रानी की चुनरी और सुंदर उपहार भेंट किए।ट्रस्ट के संस्थापक हितेश पाहवा ने बताया कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों पर प्रहार करना है। बेटा-बेटी में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।बेटियों को भी बेटों के समान अच्छी शिक्षा और आगे बढ़ने के पूरे अवसर मिलने चाहिए, ताकि वे समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य पुष्पेंद्र गोयल, सुनील साहनी, परमजीत शर्मा और हिमांशु खोसला विशेष रूप से मौजूद रहे और परिवारों को बधाई दी।

हरियाणा के पानीपत से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22जनवरी 2015 को देशव्यापी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी और इस मुहिम ने देश के गिरते लिंगानुपात को सुधारने का काम किया है।

परगट सिंह ने संभाली पंजाब कांग्रेस की कमान

किसानों, युवाओं और आम लोगों के हकों की लड़ाई लड़ने का संकल्प

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
चंडीगढ़। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष परगट सिंह ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में पदभार संभालते हुए पंजाब के लोगों के हकों, सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। भारी बारिश के बावजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम में उत्साह बनाए रखा। पार्टी नेताओं ने इसे संगठन की एकजुटता और आगामी राजनीतिक संघर्ष के लिए कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।पंजाब कांग्रेस प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने परगट सिंह को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इससे पहले परगट सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों के साथ कांग्रेस भवन में पार्टी का ध्वज फहराया।अपने संबोधन की शुरुआत परगट सिंह ने 'पंजाब बसदा गुरां दे नां ते' से की। नवरात्रों की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि गुरुओं ने हमें सरबत के भले का संदेश दिया है। यही संदेश पंजाब की राजनीति और समाज का आधार होना चाहिए।परगट सिंह ने कहा कि प्रदेश की असली ताकत यहां के आम लोग हैं—वे किसान, जो देश का पेट भरते हैं; वे युवा, जो अपने भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं; वे व्यापारी और कारोबारी, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं; और वे परिवार, जो सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन की उम्मीद रखते हैं।कांग्रेस की जिम्मेदारी केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि लोगों की आवाज बनना और उनके हकों के लिए मजबूती से खड़े होना है।

'पंजाब के लोगों को अपने हकों, इंसान और सुरक्षित भविष्य का इंतजार है। किसानों से लेकर युवाओं तक, हर वर्ग की उम्मीदों पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी है। कांग्रेस एकजुट है और हमारी लड़ाई उस व्यवस्था के खिलाफ है,

जो लोगों को उनका हक दिलाने में नाकाम रही है। '

उन्होंने कहा कि बेअदबी के मामलों में इंसान की प्रतीक्षा कर रहे लोगों की भावनाओं को समझना और उन्हें न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाना जरूरी है। किसी भी सरकार के कामकाज की असली कसौटी जनता का भरोसा और उसके जीवन में आने वाला बदलाव होता है।मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए परगट सिंह ने कहा कि कांग्रेस की टीम की चिंता करने के बजाय सरकार को पंजाब के लोगों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।कांग्रेस के पास अनुभवी नेताओं और समर्पित कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम है। सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जैसे नेताओं के अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी मिलकर पंजाब के हितों की लड़ाई लड़ेगी।परगट सिंह ने कहा कि पंजाब के लोग नफरत की राजनीति पसंद नहीं करते। प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए आपसी भाईचारे, सम्मान और सामाजिक समझ के मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए पंजाब के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी।किसानों के संघर्ष का उल्लेख करते हुए परगट सिंह ने कहा कि किसान आंदोलन ने पूरे देश को यह संदेश दिया कि जब लोग अपने अधिकारों के लिए एकजुट होते हैं, तो उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राजनीति की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है।पंजाब ने हमेशा मुश्किल परिस्थितियों में साहस और समझदारी का परिचय दिया है। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए भावनाओं के साथ-साथ व्यावहारिक सोच और स्पष्ट नीतियों की भी जरूरत है।परगट सिंह ने कहा, 'हम पंजाब को जोश और होश के समन्वय

से आगे लेकर जाएंगे। हमारी प्राथमिकता लोगों के मुद्दे, उनके अधिकार और पंजाब का बेहतर भविष्य होगा। 'पंजाब की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कामकाज पर सवाल उठते हुए परगट सिंह ने पुलिस महानिदेशक गौरव यादव और मुख्य सचिव सिन्हा से कानून के दायरे में रहकर काम करने की अपील की।सरकारी पदों पर बैठे प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता और कानून के अनुसार काम करे। प्रशासन का उद्देश्य जनता की सेवा करना और लोगों में सुरक्षा तथा विश्वास की भावना पैदा करना होना चाहिए।उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसके कार्यकाल में पंजाब की छवि को नुकसान पहुंचा है।कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए परगट सिंह ने कहा कि राजनीति का केंद्र आम लोगों की समस्याएं होनी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे कुत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार धामक वीडियो और नकारात्मक प्रचार से दूर रहें। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनना, उनकी आवाज उठाना और समाधान के लिए संघर्ष करना ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए। राजनीतिक विरोध के बावजूद भाषा और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखना जरूरी है।पंजाब कांग्रेस प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने परगट सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें एक अनुभवी और मजबूत टीम के साथ काम करने का अवसर मिला है।खेल का उदाहरण देते हुए पायलट ने कहा कि एक अच्छे कप्तान के लिए मजबूत टीम बेहद जरूरी होती है। परगट सिंह के पास पंजाब कांग्रेस के अनुभवी नेताओं और समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम है, जो मिलकर पार्टी को आगे ले जा सकती है। कांग्रेस का लक्ष्य केवल राजनीतिक सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि पंजाब के लोगों का दिल जीतना और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना है।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ़ेशर भी आवेदन कर सकते हैं ।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें ।



lokfastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

